सीआरपीएफ समाचार

वर्ष 63 अंक 4 मार्च-अप्रैल, 2017



शौर्य दिवस के अवसर पर माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा हॉट स्प्रिंग के एकमात्र जीवित वीर हवलदार बलजीत सिंह को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए



श्री सुदीप लखटकिया, अपर महानिदेशक (मुख्यालय) श्री राजीव राय भटनागर, भा.पु.से. को
महानिदेशालय मे आगमन के अवसर पर स्वागत करते हुए



श्री सुदीप लखटकिया, अपर महानिदेशक (मुख्यालय)
शौय दिवस के अवसर पर माननीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए

मुख्य संरक्षकः–

श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक

संपादकीय सलाहकार मण्डल

अध्यक्षः
श्री सुदीप लखटकिया, अपर महानिदेशक (मुख्यालय)

सदस्यः श्री पीयूष आनन्द, महानिरीक्षक (कार्मिक), श्री सदानंद बसंत दाते, महानिरीक्षक (परिचालन), श्री सतपाल कपूर, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ अकादमी, कादरपुर, श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ, महानिरीक्षक (संभरण), श्री एम. धिनाकरण, उप महानिरीक्षक (आसूचना), श्री आर. के. शर्मा, उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण), श्रीमती रेखा लोहानी, उप महानिरीक्षक (प्रशासन)

सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किये जाने वाले विचार लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं। विभाग की नीति से इनका कोई संबंध नहीं है।

– मुख्य संपादक

मुख्य संपादकः
राजीव कुमार, उप कमाण्डेन्ट, (आसूचना)
(जन संपर्क अधिकारी)

संपादक
सत्येन्द्र सिंह (निरीक्षक/हिन्दी अनुवादक)

संपादकीय सहायता :
राम कुमार (स.उ.नि./मं.)

चित्र
जनसंपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय
और सीआरपीएफ यूनिट्स

संपादकीय कार्यालयः
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
ब्लाक–1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003,
दूरभाष : 24360649

महानिदेशक सीआरपीएफ की ओर से मुद्रित और प्रकाशितः
सौनेक्स प्रिन्ट पैक प्रा. लि., ए–10/40,
मेरठ रोड इंण्डस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद

इस अंक में

महानिदेशक का सदेंश	02
श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक ने संभाला महानिदेशक का कार्यभार	03
के.रि.पु.बल ने मनाया शौर्य दिवस	04
केन्द्रीय सशस्त्र बलों के अधीन ऊर्जा (19) फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ	09
CRPF Organises Retreat and Band Display Ceremony	11
CWA Celebrates International Women Day	12
ULFA : its Genesis, Issues and Prognosis Introduction	13
CRPF takes a Lead Role in the e-governance	14
Kashmir - A House of Perplexed Youth	15
CPRF Female Contingent in Ebola Battleground	17
चीन पाकिस्तान गठजोड़ तथा भारत पर प्रभाव	20
अंडमान निकोबार द्वीप समूह की साहसिक यात्रा	21
निष्काम कर्म ही पुण्य	23
मणिपुर विधान सभा चुनाव 2017	24
कविता	25
महानिदेशक के दौरे	26
महानिदेशालय के कार्यक्रम	27
विविध कार्यक्रम	30
Sh. Rajesh Pratap Singh, ADG, CRPF bagged Pandit Govind Ballabh Pant Award	33
CRPF Public School, Rohini, Delhi Investiture Ceremony	33
CRPF Organizes State Level Football Tournament	34
शहीद स्मारक का अनावरण	35
Achievements	36
Transfers	39
Salute to Martyrs	40
Retirement	44
DG Disc & Commendation Letters Awardess	45



महानिदेशक का संदेश

साथियों,

मैंने देश के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल–केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का कार्यभार दिनांक 28/04/2017 को ग्रहण किया। इस विशाल बल का महानिदेशक बनकर मुझे अपार हर्ष एवं गर्व हो रहा है। इस बल के सदस्यों ने कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में अद्भुत साहस, उत्कृष्ट शौर्य और पूर्ण समर्पण की भावना प्रदर्शित की है।

के.रि.पु.बल आंतरिक सुरक्षा का प्रमुख स्तम्भ रहा है। इस समय इस बल के सम्मुख सबसे बड़ी चुनौती वामपंथी तत्वों से निपटना है, जो अपनी पकड़ विभिन्न राज्यों में मजबूत करना चाहते हैं, सुकमा में हुए नक्सली वारदात इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। के.रि.पु.बल ने इन क्षेत्रों में कई प्रभावशाली अभियान चलाया है एवं 18 महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण करने एवं बेहतर सुरक्षा प्रदान करने में अहम योगदान निभाया है। के.रि.पु.बल ने ऐसी कई चुनौतियों से जूझकर सफलता हासिल की है एवं भविष्य में भी चुनौती से निपटने के लिए तत्पर हैं। इन क्षेत्रों (एल.डब्ल्यू.ई.) में आपातकालीन उपचार के लिए 39 फील्ड सर्जिकल यूनिट्स की स्थापना भी की गई है।

जम्मू–कश्मीर राज्य में कुछ असामाजिक तत्वों एवं आंतकवादियों के द्वारा प्रायोजित किये जाने के कारण उपद्रवियों द्वारा पथराव की समस्या जटिल हो गई है। बल अपनी सूझ–बूझ एवं सहनशीलता का परिचय देते हुए पत्थरबाजों से निपटने व शांति व्यवस्था कायम रखने के हर सम्भव प्रयास कर रहा है, जो कि अत्यंत सराहनीय है।

पूर्वोत्तर राज्यों में भी के.रि.पु.बल की भारी तैनाती है एवं यह बल इन प्रदेशों में पुलिस को शांति व्यवस्था बनाये रखने में हर संभव सहायता कर रहा है। इसी प्रकार भारत के बाकी प्रदेश भी जरूरत पड़ने पर इसी बल की तैनाती की परस्पर मॉग करते हैं। यह बल दिन–रात देश के दूर–दराज क्षेत्रों में अपनी मुस्तैदी और मजबूत इरादों से देश की अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने जो सर्वोच्च बलिदान दिए है, उन्हें इतिहास के पन्नों पर सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। प्रारम्भ से ही इस बल ने वीरता के अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जो बल के जवानों के लिए प्रेरणा के श्रोत हैं। बल ने अभी तक 01 जॉर्ज क्रॉस, 03 किंग्स पी.एम.जी., 01 अशोक चक्र, 01 कीर्ति चक्र, 01 पदम श्री, 01 वीर चक्र, 14 शौर्य चक्र, 49 पी.पी.एफ.एस.एम.जी., 191 पी.पी.एम.जी., 01 युद्ध सेवा मेडल, 05 सेना मेडल, 04 विशिष्ट सेवा मेडल, 1205 पी.एम.जी. इत्यादि पदकों के साथ कुल 1586 पदको से अलंकृत किया गया है। अपने साहस और शौर्य के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों एवं जवानों को वर्ष 2016 में 68 एवं वर्ष 2017 में 16 वीरता पदकों से अलंकृत किया गया है। मैं उम्मीद करता हूँ कि हम आगे भी इस परम्परा को कायम रखेंगे। वर्ष 2017 में 05 अधिकारियों व कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक एवं 57 अधिकारियों व कर्मचारियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2017 में अब तक बल के 694 अधिकारियों एवं जवानों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए महानिदेशक डिस्क एवं प्रशंसा–पत्र से सम्मानित किया गया है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों एवं जवानों ने अपनी वीरता और साहस से परिचालनिक क्षेत्र में अनेक सफलताएं प्राप्त की हैं, लेकिन और अधिक सफलताएं प्राप्त करने हेतु हमें अपनी पिछले अनुभवों से सीखते हुए अधिक सुनियोजित योजनाएं बनाने एवं उन पर सही ढंग से अमल करने की जरूरत है। इसके लिए जवानों को नये और आधुनिक तरीकों से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे देश की आंतरिक सुरक्षा की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अपने को ढाल कर कारगर रूप से कर्त्तव्य निभा सकें।

जवानों का कल्याण उन्हें तनावमुक्त रूप से अपनी ड्यूटी भली प्रकार निर्वहन करने के लिए आवश्यक हैं। जवानों की इच्छा के अनुरूप उनके स्थानान्तरण के प्रयास किये जा रहे है और कठिन एवं शान्त क्षेत्रों की तैनाती नियमानुसार सुनिश्चित की जा रही है। जवानों एवं उनके परिवारों की चिकित्सा के लिए अस्पतालों में बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए आवास एवं बैरकों का निर्माण किया जा रहा है। जवानों के बच्चों के लिए विभिन्न छात्रवृति प्रदान किए जा रहे हैं।

खेल–कूद को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय खेल–कूद टीम ने प्रबंधक एवं प्रशिक्षक बल के विभन्न प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर प्रतिभावान् खिलाड़ियों का चयन कर रहे हैं। जोन, सेक्टर एवं बटालियन स्तरों पर भी विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

मुख्य संरक्षक के रूप में मेरी तरफ से जारी के.रि.पु.बल समाचार का यह पहला अंक है। मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि सी.आर.पी.एफ. समाचार के इस अंक में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से संबंधित समाचार, गतिविधियों और क्रियाकलापों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी समाविष्ट है। इसमें फील्ड यूनिटों के द्वारा किये गए सराहनीय कार्यों का भी वर्णन है।

(राजीव राय भटनागर) भा.पु.से.

महानिदेशक के.रि.पु.बल

श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक ने संभाला महानिदेशक का कार्यभार

1983 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के श्री राजीव राय भटनागर (भा.पु.से.) ने दिनांक 28/04/2017 (पूर्वाह्न) को महानिदेशक के.रि.पु.बल का कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एन.सी.बी.) के महानिदेशक के रूप में तैनात थे।

श्री भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, का जन्म 30/12/1959 को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में हुआ। इन्होंने आई.आई.एम. अहमदाबाद से एम.बी.ए. की शिक्षा प्राप्त की एवं मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा इन्हें "डिफेन्स एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज" में एम.फिल. से सम्मानित किया गया। वे राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, दिल्ली के पूर्व छात्र भी रहे हैं।



श्री भटनागर शिक्षा पूरी करने के बाद देश की सेवा भावना से दिनांक 07/09/1983 को भारतीय पुलिस सेवा में आए एवं इनकी पहली तैनाती सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में पी.टी.सी.–1, मुरादाबाद में दिनांक 08/03/1985 को की गई थी। इन्होंने उत्तर प्रदेश एवं केन्द्रीय सेवाओं में महत्वपूर्ण पुलिस पदों पर अपनी सेवाएं दी है। वे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, लखनऊ, पुलिस उप महानिरीक्षक आगरा/कानपुर एवं गोरखपुर रेंज के रूप में अपनी सेवाएं दी है तथा इन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस के आसूचना, क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन, टेक्नीशियन सर्विसेज, प्रिजन एंड रिफॉर्मेटिव सर्विसेज तथा पदोन्नति एवं भर्ती बोर्ड का भी कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है।

इन्होनें विदेश में भी अपनी सेवाएं दी है। वर्ष 1995 से 1999 तक वे मॉरिशस सरकार के पुलिस सलाहकार भी रहे है। इन्होंने वर्ष 2003–2008 तक आई.टी.बी.पी. में पुलिस उप महानिरीक्षक एवं महानिरीक्षक, उत्तर–पूर्व सेक्टर के रूप में सेवाएं दी हैं। वे राष्ट्रीय पुलिस मिशन (पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो) के प्रथम निदेशक भी रह चुके है।

श्री भटनागर खेलकूद में बेहद रूचि रखते



है एवं ये स्वयं एक उत्सुक खिलाड़ी भी है। इन्होंने अखिल भारतीय पुलिस टेनिस टूर्नामेंट का खिताब भी जीता है।

इन्होंने केन्द्रीय सड़क अनुसंधान, दिल्ली से ट्रैफिक इन्जीनियरिंग, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद से एम.सी.टी.पी. फेज–5 कोर्स एवं आंतरिक सुरक्षा विजन–2020 के पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप कॉन्फ्रेन्स, आन्ध्र प्रदेश पुलिस मुख्यालय, हैदराबाद से आई.ई.एस.सी. कन्सेप्चुअल, डिजायन कोर्स, लंदन बिजनेस स्कूल से एम.सी.टी.पी. फेज–5 कोर्स, यू.एन.सी.आई.वी.पी.ओ.एल, सेन्टर नई दिल्ली से यू.एन.सी. आई.वी.पी.ओ.एल मिडिल मैनेजमेंट कोर्स, एल.बी.एस.एन.ए.ए. से राष्ट्रीय सुरक्षा पर जॉइन्ट सिविल मिलिट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय से डिफेन्स एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज कोर्स एवं एन.सी.बी/यू.एन.ओ.सी.डी./एन.ए.सी.ओ. से इन्हेंसमेंट पार्टनरशिप बेटवीन लॉ इन्फोर्समेंट एवं सिविल सोसाईटी ऑफ ड्रग एब्यूजेज और एच.आईवी कार्यक्रम जैसे पाठ्यक्रमों में हिस्सा लिया।

इन्हें इनकी सराहनीय सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक एवं विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पी.पी.एम.) से अलंकृत किया गया है एवं मॉरिशस पुलिस का मैरिट पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है।



के.रि.पु.बल ने मनाया शौर्य दिवस

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा शौर्य दिवस के अवसर पर दिनांक 9 अप्रैल, 2017 को विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में बल के 17 वीर रणबांकुरो को वीरता के पुलिस पदकों से अलंकृत किया गया। माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह इस समारोह के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंनें इन बहादुर अधिकारियों एवं जवानों को वीरता पदक प्रदान किये। विशिष्ट अतिथि श्री अक्षय कुमार, श्री राजीव महर्षि, गृह सचिव, श्री परमेश्वरन अय्यर, सचिव डी.डब्लू.एस., श्री राजीव जैन, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक, एस.बी.आई., श्री दीपक मिश्रा, अपर महानिदेशक (वर्क्स) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक इस अवसर पर मौजूद थे।

माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सरदार पोस्ट की पवित्र मिट्टी की कलश पर माल्यार्पण किया। साथ ही उपस्थित विशिष्ट अतिथि अक्षय कुमार, श्री राजीव महर्षि, गृह सचिव, श्री परमेश्वरन अय्यर, सचिव डी.डब्लू.एस., श्री राजीव जैन, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक, एस.बी.आई., श्री दीपक मिश्रा, अपर महानिदेशक (वर्क्स) ने भी सरदार पोस्ट की पवित्र मिट्टी की कलश पर माल्यार्पण किया।

माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए



माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा सम्बोधन

के.रि.पु.बल के अधिकारियों एवं जवानों, जिन्होंने भारत की रक्षा करने में जानें दी है, को श्रद्धाजंलि अर्पित की। शहीदों के परिवारों को सम्मानित करने के साथ–साथ हॉट स्प्रिंग के एकमात्र जीवित हवलदार जी.डी. बलजीत सिंह एवं 1971 युद्ध के योद्धा श्री पी.एस. त्यागी, सहायक कमांडेण्ट बी.एस.एफ. का आभार व्यक्त किया, और कहा कि इन बहादुर सिपाहियों के हौंसलों को देखने के बाद मुर्दा भी जिंदा हो जाये। उन्होंने कहा कि के.रि.पु.बल एवं सी.ए.पी. एफ. का हर जवान एवं अधिकारी शौर्य एवं पराक्रम की परीक्षा देता है। उन्होंने शौर्य एवं पराक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि इसे बाजार से खरीदा नहीं जा सकता, बल्कि यह देश के राष्ट्र–भक्तों के सीने मे छुपा होता है। उनके सीने को विरोधी की गोलियां तो छलनी कर देती है, पर उनका हौसलां नही तोड़ पाती, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण कमांडेन्ट चेतन चीता है। उन्होंने कहा कि दुश्मनों के पास जवानो को भेदने के लिये तो गोली बनी है पर उनके हौंसलों के लिये नही। उन्होंने के.रि.पु.बल के गौरवमयी इतिहास को चर्चा करते हुए कहा कि के. रि.पु.बल 1962 के हॉट स्प्रिंग मे चीन के टुकडियों, 1965 के सरदार पोस्ट में पाकिस्तानी ब्रिगेड के हौसले पस्त किये, साथ साथ 2001 में संसद, जो कि लोकतंत्र का मन्दिर है, में हुए हमले को भी नाकाम किया है। इन्होंने के.रि.पु.बल का जिक्र करते हुए कहा कि इनके जवान इन पर पत्थर फेंकने वाले लोगों को भी बाढ के दौरान मदद करते है। इन्होंने शहीद जवानों के आश्रितों को कम से कम 1 करोड़ रूपये देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने अक्षय कुमार की पहल पर भारत के वीर पोर्टल का उद्घाटन किया, जिसके तहत भारत का कोई भी देशवासी शहीदों के आश्रितों को 15 लाख रूपये तक की राशि वित्तीय सहायता के रूप में ऑनलाईन भुगतान कर सकता है।



श्री सुदीप लखटकिया, भा.पु.से. कार्यकारी महानिदेशक के.रि.पु.बल ने मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह, विशिष्ट अतिथि श्री अक्षय कुमार, गणमान्य अतिथिगण एवं उपस्थित अधिकारियों और जवानों को सम्बोधित करते हुए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। और उनके परिवार के सदस्यों को नमन किया।

श्री सुदीप लखटकिया, महानिदेशक ने कमांडेन्ट चेतन चीता की बहादुरी का ब्खान करते हुए कहा कि 9 गोलियां लगने के बावजूद व लश्कर के खूंखार आतंकी अबू हारिस को मार गिराया एवं उनके स्वस्थ होने के परिप्रेक्ष्य में यह शौर्य दिवस अत्यधिक उचित है।

उन्होंने कहा कि के.रि.पु.बल में सीनियर अधिकारियों ने अभियानों में कमाण्ड करते हुए देश सेवा में अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। 15 अगस्त, 2016 को श्री प्रमोद कुमार, कमान्डेन्ट को श्रीनगर के नोहटा चौक में पिकेट पर



श्री सुदीप लखटकिया, भा.पु.से. कार्यकारी महानिदेशक, के.रि.पु.बल द्वारा सम्बोधन

आतंकवादियों के हमले की सूचना मिलते ही वहां तुरन्त पहुॅचकर उन्होंने ऑपरेशन का नेतृत्व किया। इस भयंकर मुठभेड़ में वे शहीद हुए।

उन्होंने कहा कि हमारे बल की महिलाएं भी बहादुरी में किसी से पीछे नहीं हैं। संसद की रक्षा में हमारे बल की वीर महिला कमलेश कुमारी ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। इसके लिए राष्ट्र नें उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया। इस वर्ष हमारे 57 बहादुर अधिकारियों एवं जवानों ने अपनी शहादत दी है। के.रि.पु.बल को ऐसे जांबाजों पर नाज है।

श्री सुदीप लखटकिया, महानिदेशक ने कहा कि केनाइन स्क्वायड ने भी आई.ई.डी. को ढूंढ निकालने के दौरान अपनी शहादत दी है। एक डॉग के शहीद होने का अर्थ है कि उसने कई जवानों की जान बचाई है।

उन्होंने के.रि.पु.बल के पिछले 77 वर्षों में दिये गये बलिदान और शौर्य गाथाओं का जिक्र करते हुए कहा कि 1965 में 9 अप्रैल को के.रि.पु.बल की केवल दो कम्पनियों ने पाकिस्तान की पूरी बिग्रेड के आक्रमण का मुंहतोड़ जबाब दिया। इस युद्ध के बारे में देश के तत्कालीन गृह मंत्री श्री गुलजारी लाल नन्दा ने शहीदों को श्रद्धांजलि आपर्ति करते हुए के.रि.पु. बल की काफी तारीफ की और फिर इस पर आधारित एक फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

के.रि.पु.बल ने 1971 के भारत पाक युद्ध में भी अभूतपूर्व शौर्य का परिचय दिया था एवं पहली बार इस बल के दो वीर जवानों को सेना मैडल प्रदान किए गए।

उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान बल ने पूरे देश में आतंकवादियों के खिलाफ कई अभियान चलाये, जिसमें लश्कर–ए–तैयबा के डिविजनल कमांडर और हिजबुल मुजाहिदीन के दुर्दान्त उग्रवादियों समेत 107 उग्रवादियों एवं माओवादियों को मार गिराया।

यह बल जम्मू एवं कश्मीर, माओवाद से प्रभावित क्षेत्रों तथा पूर्वोत्तर राज्यों में देश की अखंडता को बनाए रखने में मुस्तैद है। शौर्य की परंपरा को लगातार अपनी वीरता एवं बलिदान से नित नए मुकाम पर पहुंचाते हैं। ऐसी ही वीरता के लिए सम्मानित कई वीर दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं।

श्री सुदीप लखटकिया, महानिदेशक ने कहा कि यह बल गृह मंत्रालय के सहयोग के कारण ही इस मुकाम पर है, जिसका श्रेय पूर्व महानिदेशकों की समर्पण एवं नेतृत्व और दूरदर्शिता का परिणाम है। अन्य केन्द्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों से आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग मिलता रहा है, जिसके लिये के.रि.पु.बल सभी महानिदेशकों का और उनके बलों का आभारी है।

उन्होंने कहा कि किसी भी जवान के घायल या शहीद होने पर उसे तुरन्त चिकित्सा देने तथा वीरगति को प्राप्त हुए जवान को पूरे सम्मान के साथ कम से कम समय में उनके परिजनों को सौंपा जायेगा।

विशिष्ट अतिथि श्री अक्षय कुमार को रूस्तम फिल्म के लिए भारत सरकार द्वारा श्रेष्ठ अभिनेता के नेशनल अवार्ड से सम्मानित होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

''भारत के वीर'' वेबसाइट के अवधारणा और कार्यान्वयन में श्री परमेश्वरन अय्यर, सचिव, डी0डब्लू0एस0 के योगदान के लिये के.रि.पु.बल उनका आभारी है।

सरदार पोस्ट की पवित्र मिट्टी के कलश पर माननीय गृह मंत्री, विशिष्ट अतिथि एवं उच्च अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण



माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह



श्री अक्षय कुमार, बॉलीवुड अभिनेता



श्री सुदीप लखटकिया, भा.पु.से. कार्यकारी महानिदेशक, के.रि.पु.बल



श्री दीपक मिश्रा, अपर महानिदेशक (वर्क्स)



श्री परमेश्वरन अय्यर, सचिव डी.डब्लू.एस.



श्री राजीव महर्षि, गृह सचिव



श्री राजीव जैन, निदेशक, आसूचना ब्यूरो



श्री रजनीश कुमार, एम.डी., एस.बी.आई.

शहीद अधिकारियों एवं जवानों के निकटतम सम्बन्धी पदक ग्रहण करते हुए



श्रीमती संगीता आखे
पत्नी शहीद सिपाही मदन लाल आखे, 168 बटालियन



श्रीमती तापसी राय
पत्नी शहीद सिपाही बादल राय, 22 बटा0



श्रीमती फूलकुमारी
पत्नी शहीद सिपाही सुनील राम, 168 बटालियन



श्रीमती माया देवी
पत्नी शहीद सिपाही जिगनेश पटेल, 168 बटालियन



श्रीमती अनिता देवी
पत्नी शहीद सिपाही एच.एस. कुशवाह, 168 बटालियन



श्रीमती उमा देवी
पत्नी शहीद सिपाही नेकपाल, 168 बटालियन



श्रीमती स्वर्णा देवी
पत्नी शहीद सिपाही अमिताभ मिश्रा, 168 बटालियन



श्रीमती आमोलनी बाई बयान
माता शहीद सिपाही दिगांता बयान, 168 बटालियन

शहीद अधिकारियों एवं जवानों के निकटतम सम्बन्धी पदक ग्रहण करते हुए



श्रीमती मंजू सिंह चौहान
पत्नी शहीद सिपाही दिलीप कुमार, 168 बटालियन



श्रीमती नूरजहाँ बेगम
पत्नी शहीद मो0 निहाल आलम, उप कमाण्डेन्ट, 219 बटा0

जाबांज़ अधिकारी एवं जवान पदक प्राप्त करते हुए



सहायक उप निरीक्षक अजेन्द्र सिंह,
163 बटा0



हवलदार/आर.ओ., बरूण चन्द्र मण्डल,
3 सिग्नल बटालियन



हवलदार अवधेश पाल सिंह,
44 बटालियन



हवलदार सुबालाल कोके,
209 कोबरा बटालियन



हवलदार सतेन्द्र सिंह,
134 बटालियन



श्री सतीश कुमार, द्वि.कमा.अधि.
(अब कमाण्डेन्ट), 133 बटालियन



श्री अमित कुमार सिंह,
कमाण्डेन्ट 182 बटालियन

के.रि.पु.बल के अमर शहीद श्वान



अमर शहीद श्वान
''अमिनका''



अमर शहीद श्वान
''प्लूटो''



अमर शहीद श्वान
''क्रैकर''



शौर्य दिवस के अवसर पर ''अद्वितीय अंजनी'' कॉमिक्स बुक का विमोचन करते हुए माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं अन्य विशिष्ट अतिथि एवं अधिकारीगण



1971 युद्ध के योद्धा श्री पी.एस. त्यागी, सहा० कमा० बी.एस.एफ. को माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए

केन्द्रीय सशस्त्र बलों के अधीन ऊर्जा (19) फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

दिनांक 22.04.2017 को केन्द्रीय पुलिस बलों द्वारा देश भर में आयोजित होने वाले सीएपीएफ फुटबॉल प्रतियोगिता ऊर्जा का इंडिया गेट पर औपचारिक आगाज हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। इस मौके पर अन्य नेताओं सहित देश के जाने–माने खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। एक मई से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए देश के अलग–अलग स्थान पर 12 सौ मैच आयोजित किए जाएंगे। इसमें 12 हजार 500 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। खेल का शुभाकंर गबरू है। इस मौके पर खेल की सिग्नेचर ट्यून का भी प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता का ब्रांड एंबेसडर जाने–माने खिलाड़ी कपिल देव का बनाया गया है।



माननीय गृह मंत्री का स्वागत करते हुए श्री सुदीप लखटकिया, कार्यकारी महानिदेशक के.रि.पु.बल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ''खेल से सकारात्मक ऊर्जा मिलती हैं इसलिए शक्ति का सही प्रयोग खेल में किया जाना चाहिए। जहां तक फुटबॉल की बात है तो यह विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। अक्टूबर में भारत फीफा फुटबॉल कप की मेजबानी करने वाला है। सरकार का यह प्रयास है कि देश खेल के क्षेत्र में प्रगति करे और यह एक फुटबॉल राष्ट्र के रूप में स्थापित हो। श्री कपिल देव ने कहा कि क्रिकेट ही सिर्फ खेल नहीं है। हर खेल को बढ़ावा मिलना चाहिए। इंटेलीजेंस ब्यूरो के निदेशक और अखिल भारतीय पुलिस खेल कंट्रोल बोर्ड के चेयरमैन श्री राजीव जैन ने बताया कि प्रतियोगिता के तहत जिला स्तर, राज्य स्तर और देश स्तर पर 12 सौ अलग–अलग फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। ज्ञात हो कि केन्द्रीय शस्त्र पुलिस बल सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, आइटीबीपी, बीएसएफ और असम राइफल द्वारा संयुक्त रूप से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन कामेडियन श्री सुनील ग्रोवर ने किया। इस मौके पर खेल मंत्री श्री विजय गोयल, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजिजू, श्री वाईचुंग भूटिया व मुक्केबाज श्रीमती एमसी मैरीकॉम और पहलवान श्री सुशील कुमार आदि मौजूद रहे।''



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते माननीय गृह मंत्री, गृह राज्य मंत्री गण एवं प्रसिद्ध खिलाड़ी



धन्यवाद ज्ञापन मे श्री सुदीप लखटकिया कार्यकारी महानिदेशक ने कहा कि ''आज इस अप्रतिम शाम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए उन्हें अत्यंत खुशी हो रही है। इस शाम को अपनी उपस्थिति से गरिमामय और प्रेरणादायक बनाने के लिए उन्होंने माननीय गृह मंत्री भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह जी को तहे दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हम आपको यकीन दिलाते हैं कि इस टैलेंट हंट टूर्नामेंट को उसकी असीम ऊंचाइयों तक ले जाने का हर संभव प्रयास करेंगे।

महानिदेशक ने खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विजय गोयल जी, गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजिजु जी व श्री गंगा राम अहीर जी की उपस्थिति के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि खेल सभी सीमाओं से परे है। इस बात को साक्षात सिद्ध किया है हमारे ब्रांड अम्बेसडर व क्रिकेट की दुनिया के महान आलराउंडर श्री कपिल देव जी नें, जोकि फुटबाल को सर्मथन करने के लिए आपनी स्वीकृति दी है। महानिदेशक ने श्री कपिल देव का आभार व्यक्त किया।

महानिदेशक ने कहा कि श्री मिलिन्द सोमन जी, फिटनेस के प्रति आपके जज्बे के हम सभी कायल हैं। और हमें पूरा यकीन है कि आपका साथ, इन प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले सभी बच्चों में फिटनेस, आत्म–अनुशासन और कठिन मेहनत के लिए उनका हौंसला बढ़ाएगा।

उन्होंने श्री सुखविंदर सिंह जी के बारे में विशेष रूप से कहा कि खेल के प्रति आपके समर्पण और प्यार भरे जोशीले सुरों नें आज की शाम का जो समां बांधा है, उसको हम शब्दों में बयां

नहीं कर सकते।

उन्होंने प्रतिभावान एक्टर श्री सुनील ग्रोवर को तहे दिल से धन्यवाद दिया और कहा कि आपने इस खुशनुमा शाम को अपने अंदाज से और आनंदमय बनाया।

महानिदेशक ने कहा कि आज हमारे बीच ऐसे–ऐसे प्रसिद्ध खिलाड़ी मौजूद हैं जोकि अपने–अपने क्षेत्रों के दिग्गज और ओलंपियन भी हैं। रेसलर श्री सुशील कुमार, श्रीमती बबीता फोगाट, बॉक्सर श्रीमती मैरी कॉम, फुटबालरों में से सर्व श्री बाईचुंग भूटिया, श्री आई0एम0 विजयन, श्री मगन, श्री गुरूदेव, शटलर श्री पी. गोपीचन्द, एथलीट श्री गुरबचन सिंह रंधावा एवं सभी दिग्गजों को केन्द्रीय पुलिस बलों की तरफ से हौंसला–अफजाई के लिये आभार व्यक्त किया।

महानिदेशक ने कहा कि श्री कपिल कुमरिया व उनकी टीम कॉरपोरेट एलियान्ज इवेन्ट अनलिमिटेड को इस शानदार आयोजन हेतु अपने आपको पूरी तरह से समर्पित करने के लिए हम सभी हृदय से अपना आभार व्यक्त करते हैं। यहां पर ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने बिना कोई फीस के ही अपनी सेवाएं दी हैं। इससे टैलेंट हंट प्रतियोगिता के प्रति उनका प्रेम स्वतः झलकता है।

महानिदेशक ने गृह मंत्रालय के प्रोत्साहन के लिए और टूर्नामेंट को मान्यता देने के लिये खेल मंत्रालय का ऋृदय से आभार व्यक्त किया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के टैक्निकल सपोर्ट और डॉप फ्री टूर्नामेंट के आयोजन हेतु नाडा को भी हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हम युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के आभारी है कि उन्होंने केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के द्वारा ऊर्जा (19) प्रतियोगिता को राष्ट्रीय मान्यता प्रदान की है।

महानिदेशक ने कहा कि आज के इस औपचारिक किक ऑफ के आयोजन में मिशन 11 मिलियन की मदद के लिए शुक्रगुजार हैं। हमारे युवा खिलाड़ी, केंद्रीय विद्यालय संगठन, एसजीएफआई, आईपीएससी और विभिन्न क्लबों की टीमों के साथ ही देश के एक कोने से दूसरे कोने तक आज से ठीक 9 दिन बाद 1 मई से 12500 लड़के और लड़कियां खेल के मैदान में अपने साहस और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। इन खिलाड़ियों को अन्य अवसरों को प्रदान करने के साथ ही हस्ताक्षर किए हुए फुटबाल और विश्व कप टिकटों की सहूलियत मुहैया करवाने का भरोसा देने के लिए उन्होंने पुनः मिशन 11 मिलियन को हार्दिक धन्यवाद दिया।

प्रत्येक अर्द्ध सैनिक बलों के महानिदेशकों व उनके अधिकारीगण जवानों का भी मैं हार्दिक आभार व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि देवियों और सज्जनों बहुत से ऐसे लोग हैं जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिन–रात मेहनत की है। इनमें से कुछ लोग हैं जो हमे सामने नजर आए और बहुत से ऐसे हैं जो प्रत्यक्ष रूप से सामने नहीं आ पाए हैं। ऐसे सभी लोगों को मैं दिल से शाबाशी और मुबारकबाद देता हूं।

महानिदेशक ने कहा कि अंतिम पर कम नहीं मैं पूरे देश



इंडिया गेट पर फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ करते केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह

को एक सूत्र में पिरोने वाली मीडिया का भी अत्यंत आभारी हूं कि जिन्होंने यहां उपस्थित होकर इस कार्यक्रम का मान बढ़ाया है। एक आम खिलाड़ी को एक चर्चित चेहरा बनाने में मीडिया का अहम किरदार होता है। उम्मीद करता हूं कि आप अपना यह साथ अगले तीन महीने तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के फाइनल स्टेज तक बनाए रखेंगे। साथ ही मीडिया के द्वारा इन बच्चों के अथक प्रयासों की प्रेरणादायक कहानियां औरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

महानिदेशक ने कहा कि 1967 में नाईजीरिया के लागोस शहर में सन्तोष फुटबाल टीम एक प्रदर्शन मैच खेलने के लिए गई थी। उस समय वहां पर भयंकर गृह युद्ध छिड़ा हुआ था, लेकिन इस टीम में मौजूद फुटबाल के जादूगर पेले का खेल देखने के लिये दोनों पक्षों ने 48 घंटे का युद्ध विराम घोषित किया ताकि वहां के लोग उनका खेल देख सकें। खेल की ताकत का अंदाजा हम इसी से लगा सकते हैं कि एक अकेला खिलाड़ी युद्ध पर विराम लगवा सकता है तो वह किसी भी असंभव को संभव में बदल सकता है। उन्होंने कहा कि आईए हम संकल्प लेते हैं कि जो लक्ष्य हमने तय किए हैं, उन्हें प्राप्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। देश को सभी तरह से विकसित बनाने के माननीय प्रधानमंत्री जी के सपने को साकार करेंगे।



माननीय गृह मंत्री, गृह राज्य मंत्री गण एवं प्रसिद्ध खिलाड़ियों का सामूहिक चित्र

CRPF ORGANISES RETREAT AND BAND DISPLAY CEREMONY

CRPF organized retreat and Band display ceremony at National Police Memorial, Chankya puri, New Delhi during each Saturday 29th April, 2017. Shri Rajeev Rai Bhatnagar, IPS, DG,CRPF, was the Chief Guest of the function organized on 29th April, 2017.

Shri Sudeep Lakhatakiya, IPS, ADG, HQ, CRPF welcomed Shri Rajeev Rai Bhatnagar, IPS, DG, CRPF. They laid wreath to martyrs at National Police Commemoration Memorial followed by playing of National anthem on Band by CRPF Pipe and Brass Band. On this occasion National Anthem and CRPF song were also sung by the Band.



Shri Rajeev Rai Bhatnagar, IPS, DG, CRPF paying tribute to Martyrs at National Police Commemoration Memorial



Shri Sudeep Lakhatakiya, IPS, ADG, HQ, CRPF paying tribute to Martyrs at National Police Commemoration Memorial

CRPF had been assigned the responsibility for Retreating and Band display ceremony at National Police Memorial, Chankyapuri, New Delhi for the month of April 2017 and this responsibility further assigned to CISF for the month of May-2017. This function was organized by CRPF on every Saturday of April-2017 and concluded on 29th April, 2017.



The said function was started Äorganized Äon 1st Saturday of April 2017 and Shri Prakash Mishra, IPS now DG, Civil Defence was the Chief Guest of the function.

The contingent of Male and female CRPF Pipe/ Brass band participated. The programme for around one hour concluded on a positive note.

DG, CRPF and all members also remembered martyrs of Sukma. All senior officers along with their family members and a large numbers of civilians were also present on the occasion.



CWA CELEBRATES INTERNATIONAL WOMEN DAY



International Women's Day, celebrated on 08th March 2017 at Shaurya, Vasant Kunj, New Delhi, by the members of CRPF Family Welfare Association. The theme of this year's celebrations was "women empowerment". Several cultural programmes highlighting the empowerment of women were performed during the celebrations.



Smt Shalu Lakhtakia, Vice President, CRPF Family Welfare Association, was the Chief Guest, extended her warm greetings and good wishes to the members of CWA and thanked them for their contributions over the years. She elucidated the participants about the importance of International Women's Day. Smt Vinita Upreti and Smt Jyotsana Sharma delivered a talk on "Heartfullness learn to meditate". Smt Manisha Date delivered a speech on the



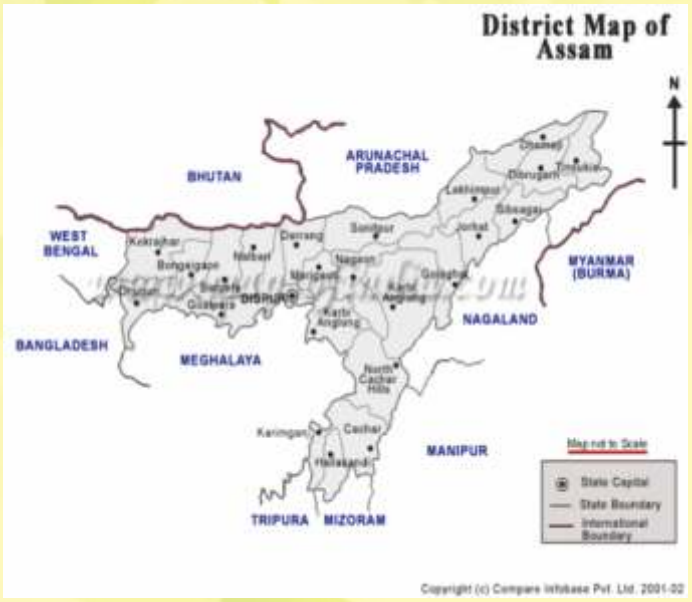
activities carried out for empowerment and upliftment of women. Smt Priti Anand, Treasurer, CWA, Smt Tanu, chairperson Cultural committee, Smt. Rupinder Kaur, Hon'ry Secretary, CWA were also present on this occasion,

CWA through the celebration of this function has tried to instil confidence in women, spread awareness for women empowerment and need to promote independence of women.



ULFA : Its Genesis, Issues and Prognosis Introduction

Assam, located in the foothills of the Himalayas, is known as the gateway to Northeast India. The partition of the country had a major impact on Northeast India and Assam. The **Assam movement has its genesis in the illegal immigration of Bangladeshis,** before the administration could settle down in its new environment in a make-shift temporary capital, the Assam agitation began in 1979 and soon, the Assam Accord – to end the anti-foreigners movement - was drafted and signed overnight on 14th August 1985. The ULFA was formed on April 7, 1979,



in a meeting organised by six radical Assamese youth at the Rang Ghar, the famous amphitheatre of the Ahom royalty at Sibsagar. The ULFA first came into the limelight when it joined hands with the All Assam Student's Union (AASU) and All-Assam Gana Sangram Parishad (AAGSP) combine in enforcing the boycott of polls of 1983. ULFA



founder and General Secretary Anup Chetia was extradited from Bangladesh in November 2015 and released from Guwahati Central Jail on December 25, 2015, after he apologised for the mistakes the ULFA has made in the past. He promised to work with "nationalistic" organizations of Assam's indigenous communities for a peaceful settlement of the Assam conflict by being a part of the on-going tripartite talks involving the ULFA, the Assam Government and the Government of India. He also dismissed the speculation that he would try to go underground as he had done in 1992 after he was granted bail. Paresh Baruah, the Self Styled Commander-in-Chief of the secessionist and anti-talks faction of ULFA, refused to talk to the Government unless Assam's 'sovereignty' was on the agenda.



Rajiv Kumar,
Dy. Comdt, (Int),
Dte. Genl. New Delhi



Balkanisation of Assam

In the 1950s, North-East essentially meant Assam, Manipur and Tripura. To meet the ethnic aspirations of various tribes and communities, the Central Government created four more states, namely, Nagaland (1963), Meghalaya (1972), Arunachal

Pradesh and Mizoram (1987). The balkanisation added more problems as other smaller and bigger communities started to demand statehood even if the already created states could not deliver the basic public goods. The size of erstwhile Assam was reduced by 35% of its original size. The state had to shift its capital in 1974 from Shillong to Guwahati. The **Assam movement** (1979) has its genesis in illegal immigration of Bangladeshis. The extent of immigration was highlighted by the observation of the Chief Election Commissioner, who expressed serious concerns at the large number of names of foreign nationals included in the electoral rolls. As Assam was reeling under the mass upsurge led by student leaders, elections were held in 1983. There were very few candidates and fewer voters. In many constituencies there was no polling at all. The election was marred by state level violence including the infamous Nellie Massacre which took place in central Assam on the morning of February 18, 1983. It left over 2000 people dead, all victims of an ethnic clash that was seen as fallout of the decision to hold the Assembly elections in 1983, despite stiff opposition from people.

Shift in ULFA's Ideology

One of the reasons for the dwindling public support for ULFA was **its change in policy regarding the illegal Bangladeshi immigrants**. In July 1992, ULFA stated that immigrants from Bangladesh had now become a part of the national life and Assam's struggle for freedom can never be successful without them. In the same statement it also agreed that English would be the link language of 'Swadhin Asom' (independent Assam), thereby nullifying almost a century of struggle to give the Assamese language its rightful place in the State. Such change in stance led to decrease in public support for ULFA.



Way ahead

Keeping various current factors in mind, as well as the background of ULFA terrorists, it is imperative that the visualized changes in policy are incorporated at the earliest. This shall not only bring the warring factions of the ULFA(I) on the peace table but will also set the stage for other outfits to follow suit. The peace potential in the region will get a tremendous boost and new economic ventures would have substantial impact on the lifestyle of the local populace including those living in border areas. Thus, to ensure long lasting peace and a flourishing economy in the region, it is essential that outfits like ULFA (I) be brought to the peace table, if necessary by coercive force to the benefit of the masses.

CRPF takes a Lead Role in the e-governance

Central Reserve Police Force (CRPF) has taken a major e-governance initiative with the launch of the final phase of the Financial Management software to go paperless with its budget distribution and monitoring on a pan India basis among more than its 400 establishments spread across the country. DG CRPF, Shri Sudeep Lakhtakia, IPS, has formally inaugurated the system on 10th March, 2017.

The Force will henceforth process all its procurements and personal claims online through the intranet and have seamless integration with the Pay & Accounts Offices. With SMS alerts and real time reports the expenditure management will ensure highest standards of transparency. This in-house development has been made with the objective of simplifying the work processes to ensure expeditious settlement of claims of jawans and suppliers.

KASHMIR- A HOUSE OF PERPLEXED YOUTH





Parveen Kumar Choudhary, PMG**
Dy. Comdt., 80 Bn. CRPF, Bastar

Stone pelting, shut downs,anti government protests and curfew has become a fashion in Kashmir now a days. Kashmir once known as heaven on earth has become a heaven for militants and saboteurs. Kashmiri youth who has enough potential to top coveted civil services examinations, feels proud and honour in unfurling pakistani and IS flag. Jamia Masjid one of the most pious place in kashmir has been turned into a place which ignites young minds for chanting anti India slogans. The young minds are being instigated to do anything which fuels the claim of pakistan over kashmir.

A child who was born in 1989, is a 27 years old young man who has been living under distressful conditions can not be held responsible for this as this is what he has witnessed right from his birth. This is what he has inherited from the society- an institution that builds our personality and character. This story revolves around a boy Adil, who was born in a municipal hospital in 1989. The first voice he could hear were slogans of Azaadi being announced from the loudspeakers of mosques of Down town. Down town is the core point of Srinagar city which houses historical Jamia Masjid, Maharaj Ganj and shrines of valley. When entire city was reeling under curfew, the first person he saw outside his house was a soldier wielding a helmet and a semi automatic rifle.

He grew up playing cricket, in the narrow by lanes of Kashmir and celebrated after every wicket by imitating signature pose of his favorite Shahid Afridi with his hands up in the air. Adil a brilliant student and a potential cricketer neither could become a good academician nor could pursue cricket as he along with his peer group has to contribute in the demonstrations staged by separatist leaders. When kids of Geelani and other separatist leaders were busy in their professional studies for a better career, thousands of boys like him were to miss their studies to engage security forces in ding dong battles of stone pelting across Srinagar city. They were often used as human shields by the so called separatist leaders while leading protests in valley.

Born and brought up in a disturbing and confused environment, today he is a subject among the presstitute class. He is being aired on TV screens as he was badly hit on his eyes by one of the tear gas canister fired by the security forces. His mother sitting beside him is cursing the day when she allowed his son to join one of such demonstrations. She, in a state of dillemma, fails to understand as who should be held responsible for the present condition of her son. Whether the Young boy himself, the security forces who acted in self defence, the government which has failed to control the situation,the Hurriyat who portrays as the face of kashmir or she herself who failed to stop him from joining such agitations is responsible for this. His eyes reflecting dreams of his mother can not even recognize her face as he has lost vision in both the eyes. This is not only isolated case, there are about 40 young boys resting in Government medical college hospital hoping for their sights to be restored.They can not see any thing but their dreams getting shattered. They could have touched the skies but today are struggling to take a single step by their own without support. Their life is ruined, Their future is vacant and they have to live rest of life in a dark world.

Like Adil, many boys of valley who used to wield kashmiri willow made bats are dreaming to follow the paths of young terrorists like Burhan Wani. Burhan who despite being from an affluent and well educated family chose the gun



over pen. He being architect of social media driven psychological warfare motivated hundreds of boys to chose the path of agitations. A few of the boys following him on social media picked up guns and joined militant cadre. Earlier, the militant groups went looking for fresh recruits, now the youth is willingly joining militant groups. This changing paradigm is an alarming concern for all the forces operating in valley. The new strategy is to recruit locals and give them training in the hinterland because Pakistan is not able to push terrorists across the line of control.

The present mind set of youth in Kashmir can be described as a culture that has been given birth by many a actors. We have to analyse the reason for which bright educated lot including Engneers and Post graduates are on the streets.

The lack of economic opportunities and employment is increasing frustration among the educated – talented but deprived lot thereby attracting them towards the menance of stone pelting. There are enough evidence that these young pelters are being paid on daily basis for this act. This can be further corroborated from the fact that stone pelting incidents post demonetization announcement decreased to almost nil for a few days. This clearly shows that boys on the streets are following dictums of separatist for money only. Since the flow of Hawala transactions reduced to the minimum so the separatist leaders, who were breeding on this source were left with nothing to pay to these boys. This puts a question mark on the significance of hurriyat conference, a conglomerate of over 26 political parties which portrays itself as representation of entire spectrum of kashmiris. They rather than coming out with a solution to the issue are fanning anti Indian sentiments and instigating kashmiris to behave as rebels. So this is the opportune moment to cut the hurriyat to its size and take this menace of stone pelting as a political communication to resolve the issues of young blood. Talented men should not fall prey to the evil mongers who want to keep the Kashmir issue burning at the price of young men and soldiers. Here at this juncture the political parties active in valley has to play a pivotal role as they are the powers who can keep Kashmir anchored to Indian union. Soldiers can win over the hearts and minds of people through various campaigns but the real bondage has to be developed by these parties only. They rather than indulging in brick batting, should come out of the competitive politics and work in tandem to explore a solution to the problem.

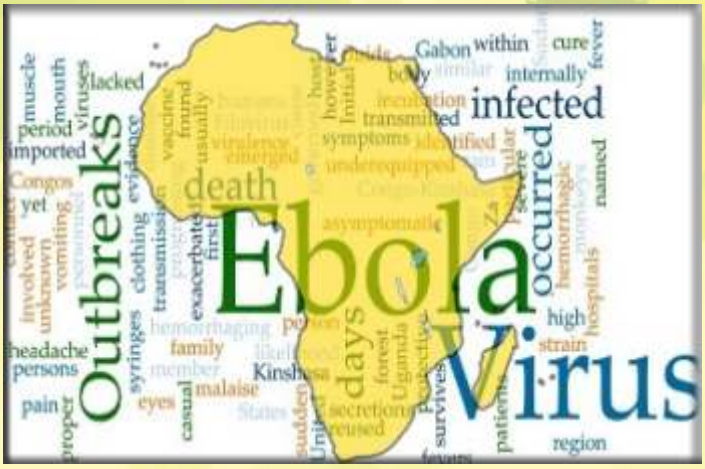
The present system of providing job to lesser educated people under Rehbar-e-Taleem and Rehbar –e-Ziarat at the cost of highly qualified youth is also a source of discontentment, which needs urgent attention. Narco Terrorism an emerging and the revenue generating form of terrorist organisations has gripped the kashmir valley.Of over 70,000 drug addicts in kashmir, 70% fall in the age group of 18 -35 years. This figures in itself are self explanatory that the youth in valley is totally disillusioned and impounding frustration is indirectly contributing to the fundings of terrorist organisation.

Unfurling of Islamic State flag during agitations and demonstrations by youth should send shivers down the spine of Indian security forces as this is one of the worst problem being faced by the third world. Since youth is left with very limited source of entertainment so they are confined to four walls after evening hours which has exposed them to the threat of Islamist state which is in continuous hunt of young minds to get into acts of sabotage through social media.. Although IS is yet to establish its foothold in valley but the situation of uncertainty, instability and religous fanaticism has the fertile ground to provide a base for it to establish itself. Government should act swiftly before this dreaded group finding strong hold in valley and an entrance in India.

The youth presently don't have jobs, means of healthy entertainment and awareness so the need is to look into the problems and come out with a rational solution. This is the right time for the state to invest in youth and relocate their energies before it get too late to get these boys back into main stream. Since Youth lives on hope, old age on memories so It is the government who has to decide whether to declare boys like Adil as a burden or convert him into an asset.



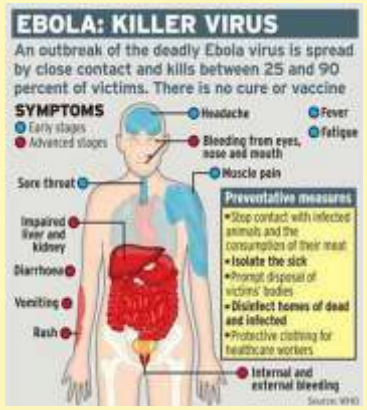
Lest We Forget:
CRPF Female Contingent In Ebola Battleground



A country on the West African coast sharing its border with Sierra Leone, Guinea and Cote d'Ivoire, Liberia in Latin means “Land of the Free”. But to its irony, this resource rich country had been in shackles and bleeded profusely during decade long civil war that claimed more than 2,50,000 lives, displacing thrice more. After the restoration of peace and harmony, largely through peacekeepers of UNMIL (United Nations Mission in Liberia), this nation was once again caught in the deadly vicious trap in the Year 2014,this time through EBOLA.

To the Indian Female Formed Police Contingent(FFPU-VIII,2014-15),it was a challenge well fought out thanks to the indomitable spirit of courage and sound precautionary measures taken by the contingent. Being Chief Logistic Officer (CLO) of this contingent, I can proudly boast that the immense willpower of female peacekeepers of CRPF in fighting Ebola against all odds was truly unmatchable. 10,000 kilometers away from homeland, this contingent worked out its SWOT analysis and escaped the virus not miraculously but meticulously.

Prior to boarding the flight to Liberia, we had been acquainted with two commonly occurring viral fevers in West Africa i.e. Yellow fever and Lassa fever with fatality rate of 5% and 1% respectively. We were also vaccinated against these viral hemorrhagic fevers. But Ebola Viral Disease (EVD) arrived as a surprise to many. It did occur sporadically on earlier occasions too, but mostly in Central African regions of DRC, Sudan and Uganda. In fact the name "Ebola virus" is derived from the Ebola River-a river that is in close proximity to the area in Congo, where the1976 Ebola virus outbreak occurred. The fatality rate of this deadliest virus average 83% since its first outbreak spanning forty years. Ebola epidemic of 2014 was the largest in history and affected multiple countries this time.1 in 2 people who got Ebola in this outbreak died. Much saddening is the fact that there are no proven treatments for Ebola or any vaccine to prevent individuals becoming infected. Though progress is now being made on unprecedented scale.





Abhinav Anand
DC (VS)

So Prevention was the only way out and the contingent followed all directives and health advisories of UNMIL, CDC (Centre for Disease Control and Prevention), USA and Ministry of Health, Liberia in true letter and spirit. UNMIL had prepared four stages Ebola response plan having following components:-

Stage 1:- Preparation and Prevention

Stage 2:- Raised Risk Level

Stage 3:- UN Directly Affected

Stage 4:- General Breakdown of Law & Order/Numerous UN staff affected

At one point, UNMIL did formally enter into Stage 3 of Ebola response plan triggered with death of two UN staffs due to the disease, Ms.Hawa Richardson and Mr.Abdelfadeel Basheer.The capital city Monrovia falling under Montserrado County accounted for half of EBOLA death cases being most populated city. Our CRPF female contingent was stationed at Monrovia itself. It took common people almost three months to understand the basic truth that “EBOLA is real” only after Liberia declared a State of Emergency in August 2014.Schools were closed, markets shut down and

much awaited Senatorial elections postponed. In October month, WHO warned that Ebola outbreak could grow to 10,000 new cases a week in next two months. In a surprise move, Philippines prematurely closed its mission and pulled out 110 UN peacekeepers from Liberia in November, 2014 due to Ebola fears. Fiji also decided not to send peacekeepers to Liberia amidst Ebola epidemic. With growing concerns, Permanent Mission of India to U.N.at New York also asked the views from the Indian contingent. Despite all odds, Indian Contingent firmly held the ground and decided to continue performing duties with rejuvenated spirit under strong and dynamic leadership of Smt.Neeraj Bala, Contingent Commander, FFPU-VIII (2014-15). Each member followed the mantra of 'na dainyam, na palayanam'(neither cringing, nor running away) and won this battle of nerves.

Each one of our contingent knew that a weak link in our camp contaminated by this deadly virus could start chain reaction. 'All for One and One for All,' became the motto for entire contingent. We were also immensely supported by CRPF Directorate and RAF Headquarters by supplementary budget for provisioning Personal Protective Equipments (PPE) like surgical gloves, face mask, hand sanitizers, Plastic Buckets with lids and tap, Chlorine solutions, temperature guns and other hygiene & sanitation items. As the disease spread through direct contact with body fluids from infected person, Ebola was successfully tackled following all do's and don'ts religiously. In our camp, anyone feeling initial symptoms would immediately seek help of Contingent Medical Officer in our M.I.Room (Level-1 Hospital).The 21 days quarrantine in isolation (luckily, we didn't have any!) could be at next referral hospital, Pakistan Medical (PAKMED), a Level-2 hospital. Not fully equipped, PAKMED would even refer MRI tests to the next big hospital at Accra (Ghana).

Steps Taken:-

(i) CRPF duty personnel, UNMIL staff, LNP or Liberia Govt. officials entering Indian camp had to wash their hands upto sleeves with soap and chlorinated water, wash their shoes inside disinfectant solution, temperature recorded at Access Control and register entry was made in this regard.





(ii) If temperature read above normal, visiting officials were politely yet firmly asked to cooperate by not entering the camp.

(iii) Jet Spraying of water mixed disinfectants on tyres and exteriors of vehicles entering the camp.

(iv) Duty personnel arriving after each duty had to undergo screening, wash their hands and shoes and take bath with chlorinated water in isolation before entering into lines.

(v) No handshakes; careful and frequent hand wash with soap and sanitizers.

(vi) Washing disposable gloves with soap and water after use, disposing them carefully and then re-washing hands.

(vii) Wearing Personal Protective Equipments like face mask, goggles, gloves & full sleeve clothes.

(viii) Proper cooking of food for the contingent and raising awareness amongst cooking staff about EVD.

CRPF female peacekeepers diligently and tirelessly performed following vital duties during this period:-

(I) 24*7 duties to secure Ministry of Foreign Affairs which houses the office of President of Liberia. This was Section level duty round the clock in three shifts involving one full platoon. The duty officers had to closely interact with Liberia National Police, office staffs, employees and local civilians.



Sometimes the agitating pressure groups turned violent and came too close to the entrance gate which was risky as female troopers had to be close to crowd and passerby.

(ii) 24*7 security of 'Supreme'warehouse,the ration supply store of UNMIL.This duty was sensitive considering the events that led to first time deployment of UNMIL in the warehouse. Due to Ebola and resulting speculation of food shortage, this area was marked with violence and skirmishes for short duration. This led to the deployment of Indian female police together with Nigerian Battalion as crisis mitigation measure.

(iii) Apart from regular night patrolling together with UNPOL and LNP officials, this contingent was also tasked to do patrolling duties in Montserrado County in the wake of Special Senatorial elections in Liberia,. The duty zone had Headquarters of four major political parties based in Congo Town area. The election atmosphere of this county was quite charged up due to massive rallies and our patrolling duties coincided with these events. CRPF female troopers worked cautiously in close coordination with LNP during these duties knowing fully well that one Police Officer in this county had already contracted Ebola virus and as many as 18 of his colleague Police Officers quarantined in Police barrack at Monrovia.

(iv) The contingent did commendable task in maintaining law and order during Senatorial Elections and post-election monitoring duties at Joint Operation Centre, LNP Headquarters, Monrovia.

(v) It also finds elite place in performing security duty for the visit of Mr. Ban Ki-moon, the then Secretary General, UN during this period.

(vi) Miscellaneous: The FFPU-VIII female contingent was also at one time assigned responsibility of securing routes for transportation of bulk munitions from Monrovia airport to UN Logistics base. At other instances, it also performed task of securing the periphery for destroying the expired TSMs of entire Police Units of UNMIL.Our role was also noticed in Public Order Management duty on short notice at ELWA Hospital which catered biggest Ebola treatment centre.



Before the advent of Ebola, the Indian contingent was applauded from all sections for its role in running capacity building courses for Liberian Police, basic computer courses for Elementary school teachers and above all medical outreach camps for locals. We always had the grudge that we could not offer more help to Liberians owing to suspension of FPU's outreach programs by UNMIL, post Ebola crisis. In the time of epidemic, we even offered some medical logistics to Ebola Treatment Unit at JFK Hospital, Monrovia as a gesture of solidarity to humanitarian cause, which was appreciated by one and all. The catastrophe called Ebola finally receded from this part of world, but not before taking 11,310 death tolls in Liberia, Guinea and Sierra Leone and Liberia topping the figure with 4,810 deaths (WHO report).

In one of his addresses, UN Chief Ban Ki-moon hailed India's female peacekeepers of CRPF as an inspiration for all, **" Through their unwavering performance, professionalism and discipline, including during the Ebola epidemic, these brave women gained the respect of both the Government and Liberian people"**. Appreciation Letter from Under Secretary General, UN Peacekeeping Operations to all 125 contingent members loudly speaks about the heroic feat of these bravehearts. Speaking her heart out on Indian female peacekeepers, Nobel Peace Prize laureate Ms.Ellen Johnson Sirleaf, President of Liberia once said, "We see you as family." My version of 'Lest we forget' in the poem 'Recessional' by Rudyard Kipling could well read:-



Pride of India, women in uniform,
Marching ahead, be it thunder or storm.
Their feats overseas, resounding great,

चीन पाकिस्तान गठजोड तथा भारत पर प्रभाव



अभय श्रीवास्तव
स0कमा0(विधि) पश्चिम सेक्टर, मुम्बई

"You Can Change Your Friends But You Can Not Change Your Neighbors"

भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के ये शब्द हर देश को अपने पड़ोसियों से अच्छे संबंध की आशा रखता है, क्योंकि यह बदले नहीं जा सकते।

वर्तमान परिदृश्य में पड़ोसी देशों चीन तथा पाकिस्तान के मध्य उभरे ध्रुव प्रत्यक्ष तौर पर भारत से जुडे हैं। चूंकि दोनों देशों के साथ संबंध अस्थिर तथा अविश्वास से भरे रहे है तथा हालियां दिनों में ये ध्रुवीकरण भारत को सोचने पर मजबूर करता है, क्योंकि इनका अस्तित्व ही भारत विरोध के ढांचे पर है।

ऐतिहासिक परिदृश्यः–

स्वतंत्रता बाद भारत चीनी भाई–भाई के 1954 के नारों से भारत चीन में आई मधुरता 1959 में तिब्बत पर आक्रमण कर कब्जे के साथ ही दूर हो गयी तथा 1962 में बिना किसी कारण के चीन के भारत पर सैन्य आक्रमण चीन की माओ विस्तारवादी तथा आक्रमणकारी नीति से स्पष्ट हो गयी। अविश्वास तथा संदेह के बीज आज भी दोनों देशों के अच्छे तथा सामान्य रिश्तों में अड़चन डालते है। वर्तमान में चीन द्वारा अरूणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताना, सीमा विवाद, पाकिस्तान से मित्रता तथा हिंद महासागर में सैन्य उपस्थिति के कारण अभी भी भारत के साथ रिश्ते सामान्य नहीं है। वहीं पाकिस्तान का अस्तित्व ही भारत विरोध पर टिका है। कश्मीर में पाक प्रायोजित आतंकवाद आज दोनों देशों में प्रमुख मुददा है। पाकिस्तान चार युद्धों में भारत से हारा चुका है तथा इसने पूर्वी पाकिस्तान (बाग्लादेश) के रूप में अपना क्षेत्र 1971 के युद्ध में गवाना पड़ा है। चूंकि पाकिस्तान पारंपरिक युद्ध में भारत से नहीं जीत सकता, इसलिये आतंकवाद के जरिए भारत को कमजोर करने तथा चीन का सहारा लेकर भारत को अस्थिर करने के सपने देखता है।

वर्तमान परिदृश्यः–

चीन वर्तमान दौर में पाकिस्तान का सबसे सहयोगी तथा मित्र राष्ट्र कहा जा सकता है। चूंकि चीन पाकिस्तान को मोहरा बनाकर भारत के विरूद्ध प्रयोग कर रहा है तथा सैन्य और सामरिक रूप से भारत को चारो तरफ से घेरने की नीति का पाकिस्तान हिस्सा है। पिछले एक दशक से अमेरिकी सैन्य सामग्री नहीं मिल पाने की वजह से पाकिस्तान ने चीन की तरफ हाथ बढाया है तथा चीन पाकिस्तान को सैन्य सामग्री देने वाला सबसे बडा देश बन गया है। चीन एक महात्वाकांक्षी नीति के तहत भारत को विश्व राजनीति में आगे बढ़ने से रोककर आर्थिक व सैन्य विश्व शक्ति बनना चाहता है। अन्तर्राष्ट्रीय मंचो जैसे NSG सदस्यता से भारत का विरोध तथा अजहर मसूद जैसे आतंकी को संयुक्त राष्ट्र में आंतकी घोषित करने से रोकना, भारत को गंभीरतापूर्वक मजबूर करते है। चीन पाकिस्तान के परस्पर भविष्य के इरादे किसी से छुपे नहीं है। CPEC (चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) भारत की सुरक्षा तथा सामरिकता को सीधे चुनौती देते नजर आ रहे हैं। दोनों देशों के द्वारा घेरने की अब तक की सबसे बड़ी योजना के तौर पर इसे देखा जा रहा है।

CPEC (China Pakistan Economic Corridor)

सीपेक यानी चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा वैसे तो आर्थिक तथा व्यापारिक महा परियोजना है जिसमें चीन द्वारा 46 अरब डॉलर (लगभग 3

लाख करोड रु0) जैसी भारी भरकम निवेश भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस परियोजना के तरह चीन के पश्चिम सीमा पर स्थित सिंक्यांग (XINXIONG) प्रांत के काशगरशहरप. चीन, पाक अधिकृत कश्मीर(POK) पूरा पाकिस्तान होते हुये पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में चीन द्वारा निर्मित ग्वादर बंदरगाह तक लगभग 2500 कि.मी रोड तथा रेलवे का नेटवर्क विकसित करना है। इस परियोजना से चीन की उपस्थिति सीधे अरब सागर में होगी। CPEC परियोजना द्वारा पाकिस्तान वृहद रेल तथा रोड नेटवर्क के साथ आज जरूरतों तथा आधारभूत ढांचे के साथ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को जहां मजबूत करना है, वहीं चीन को यूरोप, अफ्रीका तथा मध्य पूर्व से जुड़ने हेतू दक्षिण चीन सागर से घूमकर न जाकर अरब सागर के ग्वादर बंदरगाह से

CPEC होते हुए पश्चिम चीन से चीन तक पहुंच बनाना है, जिससे 9000 कि.मी की दूरी न सिर्फ कम हो, बल्कि उसकी तेल की आपूर्ति सीधे अरब देशों से हैं, क्योंकि चीन विश्व का सबसे बडा तेल का आयातक देश है।

परन्तु यह एक आर्थिक परियोजना न होकर चीन तथा पाकिस्तान की सोची–समझी रणनीति का हिस्सा है तथा एशिया के भू–राजनीतिक तथा सामरिक रूप से भविष्य में भारत को घेरने की तैयारी है, चीन इससे पहले भी बांग्लादेश, मालदीव तथा श्रीलंका में अपनी सैन्य तथा व्यवसायिक उपस्थिति दर्ज कराकर भारत को चुनौती देता रहा है।

भारत का विरोध मुख्य रूप से CPEC जो कि पाक अधिकृत कश्मीर (POK) से गुजर रहा है, जिसे भारत अपना अभिन्न अंग मानता है तथा ग्वादर बंदरगाह की सुरक्षा हेतु चीनी नौसेना की सीधी गतिविधियाँ एवं इस गलियारे की सुरक्षा हेतु पाकिस्तान चीन सैनिकों की POK मे तैनाती को अपने खिलाफ भविष्य में सामरिक रूप से घेरने की रणनीति मानता है। हाल मे अमेरिका से निकटता के कारण भारत के विश्वस्त सहयोगी रुस का पाकिस्तान से सैन्य सम्बन्ध बनाना तथा CPEC का समर्थन करना, चिंताजनक है।

भारतीय प्रतिक्रिया–

हालियां वर्षो में चीन पाकिस्तान गठजोड से निपटने हेतू भारत द्वारा सक्रिय दूरदर्शी तथा अक्रामक विदेश नीति का पालन किया गया है। ग्वादर बंदरगाह से मात्र 70 कि.मी दूर ईरान में छाबहार (CHHABAR) बंदरगाह विकसित करना भारत का एक दूरगामी कदम है।

पाकिस्तान को आतंकवाद के मुददे पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग–थलग करना तथा चीन को उसी की भाषा में जबाब देने के लिए अमेरिका–जापान के साथ दक्षिण चीन सागर में मालाबार सैन्य अभ्यास तथा चीन के पड़ोसी वियतनाम को सैन्य हथियार बेचने की पेशकश तथा मंगोलिया तथा फिलिपिन्स जैसे चीन के पड़ोसियों को सहायता देना तथा चीनी सीमा पर आधारभूत ढांचा विकसित कर रोड तथा हवाई पटट्री विकसित कर पूर्वोत्तर भारत में अत्याधुनिक हथियारों की तैनाती सराहनीय कदम है। भारतीय कूटनीति की जीत होगी, यदि वह अमेरिका तथा रुस दोनो को साथ रखकर तथा लाभ उठाकर अपने राष्ट्रीय तथा सामरिक हितो की रक्षा करता है।

अंडमान निकोबार द्वीप समूह की साहसिक यात्रा



बीरेन्द्र कुमार, सहा0कमा0
ग्रुप केन्द्र, के0रि0पु0बल,
ग्रेटर नोएडा

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान हमने अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह जाने के लिए कार्यक्रम बनाया । बस फिर क्या था सामान उठाया और रेलवे स्टेशन पहुॅच गये । पहले से ही टिकट चेन्नई तक आरक्षित करा रखा था । ट्रेन की यात्रा तो बहुत ही आरामदायक रही, परन्तु जैसे ही चेन्नई पहुॅचे दिल में समुद्री यात्रा करने का मन में उमंगों की लहर दौड़ गई । काफी दौड़धूप करने के बाद अंत में एम.वी. स्वराज द्वीप जहाज की टिकट चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर तक मिल गई । चेन्नई बन्दरगाह



की तरफ यात्रा के दौरान मन में खुशी तो थी, परन्तु एक प्रकार का दिल में भय भी था । हाल ही में एक दशक पहले आये सुनामी के कारण दिल में खौफ और भी बढ़ गया । हमने बन्दरगाह में पहुॅचते ही सामान का निरीक्षण चेक पोस्ट पर कराया और फिर जहाज की तरफ बढे । जैसे ही जहाज पर नजर पड़ी, वैसे ही विज्ञान की तरक्की का अहसास हुआ । 8 हजार 227 करोड़ की लागत से बना यह जहाज जो कि 200 मीटर लम्बा और 20 मीटर चौड़ा था, को देखकर हम दंग रह गये ।

कभी टाईटेनिक मूवी में तो बड़ा जहाज देखा था, परन्तु कभी यह सोचा नहीं था कि जिन्दगी में ऐसे बड़े जहाज में यात्रा



करने का मौका मिलेगा । खैर जहाज के प्रथम श्रेणी केबिन में जा बैठे । जहाज में इतनी सारी सुविधाओं को देखकर हम आश्चर्यचकित रह गये । यह किसी 5 स्टार होटल से कम नहीं था । केबिन में सामान पटकने के साथ जहाज के अन्दर भ्रमण करने चल पड़े । यह नौ मंजिला जहाज अत्यंत चौंका देने वाला था । उस पर दस रक्षा नौकाएं तथा तीन हेलीकॉप्टर आपातकालीन स्थिति में जहाज पर सवार यात्रियों की जान बचाने के लिये तैयार थे । वहॉ पर यात्रियों के लिए लाईब्रेरी, मनोरंजन कक्ष, स्वीमिंगपूल, सनडेक केन्टीन तथा प्रथम श्रेणी का भोजनालय भी मनमोहक था । तभी जहाज के खुलने की उदघोषणा ब्रिज द्वारा हुई । देखते ही देखते हम समुद्र के बीच में पहुॅच गये । फिर हमे दिल बहलाने के लिये ओपेन एयर रेस्टोरेंट में चल पड़े । उधर जाकर देखा तो चारों ओर नीला पानी दिखाई पड़ रहा था । जब हम जहाज की छत पर पहुॅचे तो जहाज के हिलने और पानी में उठने वाली लहरों का अहसास हुआ जो कि दिल दहलाने वाला था । मन में बार–बार एक ही प्रश्न उठ रहा था कि जहाज में कप्तान से मिलूं और जहाज चलाने का केबिन जिसे ब्रिज के नाम से जाना जाता है, उसे देखने का मन कर रहा था । किसी ने बताया कि सूचना विभाग में जाने पर सारे सवालों का उत्तर मिल जायेगा और ऐसा ही हुआ । सारी सूचनाएं तो मिल गई, लेकिन सेलिंग केबिन देखने की इच्छा अभी मरी नहीं थी । सूचना विभाग से पता चला कि वहां जाने की अनुमति नहीं है । जहाज के ऑफिसर मैस में खाना खाने के दौरान हमारी मुलाकात जहाज के कप्तान यूपी सिंह से हुई, जो कि एक भले इंसान थे और उन्होंने हमारी इच्छा को जानकर हमें सेलिंग केबिन में जाने की अनुमति प्रदान की । बस फिर क्या था अनुमति प्राप्त करते ही हम सेलिंग केबिन में जा पहुॅचे । वहां के चीफ कैप्टन ने ब्रिज में रखे प्रत्येक यंत्र जैसे राडार, बैरोमीटर, सोनार मशीन, फायरएलार्म सर्किट तथा स्टीयरिंग के बारे में विस्तार से समझाया । फिर उन्होंने हाई पावर दूरबीन से अण्डमान निकोबार में स्थित ऊँचे पहाड़ों को दिखाया । दृश्य बड़ा ही मनमोहक और आश्चर्यजनक था ।

जहाज में चढ़ने से पहले मन में, यही प्रश्न उठ रहा था कि लम्बी यात्रा कैसे अंजाम तक पहुॅचेगी, लेकिन हम देखते ही देखते पोर्ट ब्लेयर पहुंच गये । हमने समुद्र में यात्रा के दौरान उड़ने वाली विचित्र मछलियाँ देखी और विशाल रूप वाली

ह्वेल, सार्क तथा डॉलफिन जैसे मछलियाँ भी देखी। कभी डिस्कवरी चैनल में ऐसी मछलियां तो देखी थी परन्तु कभी यह नहीं सोचा था कि प्रत्यक्ष रूप से ऐसी मछलियां देखने को मिलेंगी ।

हमने पोर्ट ब्लेयर पहुंचकर एक अच्छा सा होटल का इंतजाम किया और वहां पर एक रात बिताने के बाद पोर्ट ब्लेयर का सिटी टूर ज्वाईन किया । हन्होंने इस यात्रा के दौरान राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल जिसे अंग्रेजों ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को बन्दी बनाने के लिए उन्नीसवीं शताब्दी में बनाया था, दिखाया । इसके अतिरिक्त वहां का विज्ञान केन्द्र, समुद्रिका म्युजियम, एक्वारियम, अण्डमान जल क्रीड़ा काम्प्लेक्स, मेरिना पार्क, मिनी जू, गांधी पार्क और महात्मा गांधी मेरिन नेशनल पार्क देखा । जब हम इतना समुद्र देख ही चुके थे तब उस पानी का मजा लेने का मन भी कर रहा था । तीन दिनों का सिटी टूर के पश्चात् चौथे दिन हम कोरवियन कोव बीच जा पहुंचे और वहां



पर तीन चार घंटे तक समुद्री तट का आनन्द लिया फिर हम अपने होटल लौटे ।

अगले ही दिन हमने हैवलाक टापू जहां एशिया महादेश का सबसे सुन्दर राधानगर बीच जाने का निश्चय किया । पोर्ट ब्लेयर से चार घंटे की समुद्री यात्रा के पश्चात् हम हैवलाक आईलैण्ड पहुंचे, वहां डालफिन यात्री निवास में अपना सामान रखा और राधानगर बीच जा पहुंचे, जो कि ऐसा समुद्री किनारा था जहां पर प्रकृति की सुन्दर कृपा थी ।

यहां हमने बहुत से विदेशी पर्यटकों को देखा, कोई आयरलैण्ड से आया था तो कोई न्यूजीलैण्ड से कोई पर्यटक इग्लैण्ड से, तो कोई एशिया से । हमने वहां अपना डेरा डाला और स्नारकलिंग तथा स्कूवा डाइविंग करने के लिये समुद्र में कूद पड़े और समुद्र के अन्दर विभिन्न जन्तुओं को देखा ।

फिर हम पोर्ट ब्लेयर के एटलांटा होटल में पहुंचे और रौस आईलेण्ड, निल आईलैण्ड, सिंक आइलैण्ड, चिड़िया टापू घूमा । अब मन में सुनामी प्रभावित क्षेत्र देखने की इच्छा जागी, लेकिन यह टापू वन आरक्षित क्षेत्र था तथा वहां पर निकोबारिज जो कि वहां अनुसूचित जातियों को रहने का स्थान था, हमे वहां पर जाने के लिये जिलाधीश से अनुमति लेना जरूरी थी । बहुत दौड़ धूप करने के बाद, वहां एक दिन गुजारने के लिये जिलाधीश की अनुमति मिली । हम पोर्ट ब्लेयर से बारह घंटे समुद्री यात्रा करने के बाद निकोबार टापू पहुंचे । वहां पहुंचने पर तबाही को देखने के बाद हमारा दिल दहल गया । हमने एक ऐसा जहाज देखा, जिसे समुद्री लहर के झोंके ने जल से सड़क पर पहुंचा दिया । हमने वहां सामान उठाने वाली क्रेन देखी, जो कि पूरी तरह तहत–नहस हो गया था । यह सब सुनामी की देन थी । वहां पर हजारों की तादाद में लोग मारे गये थे । फिर वहां के एक निकोबारी से पूरी जानकारी ली, जो कि 26 दिसम्बर 2004 को सुबह छः बजे पहले तीन बार भूकम्प के झटके आये जब वहां के लोगो ने समुद्र की तरफ देखा, तो बीस मीटर ऊँची समुद्र की लहर जो कि एक काले राक्षस के समान थी, एक हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से आयी और चन्द सेकण्ड में पूरे टापू को तहत नहस कर दिया । लोग पहाड़ की तरफ जान बचाने के लिये भाग पड़े । जो लोग ऊंचे स्थान पर पहुंच गये उनकी जान बच गई और जो लोग नहीं जा सके वे लोग सुनामी में मारे गये ।

सुनामी ने वहां की बिजली की सुविधा को भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया । आज भी वहां पूरी तरह बिजली नहीं पहुंच पाई है ।



फिर अण्डमान निकोबार की राजधानी पोर्टब्लेयर पहुंचे और वहां पर एन्थ्रोपोलोजिकल म्यूजियम में अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह के विभिन्न आदिवासियों के प्राचीन संस्कृति व सभ्यता के बारे में जानकारी हासिल की जो आज भी तर्कसंगत व सत्य प्रतीत होता है ।

निष्काम कर्म ही पुण्य



सत्येन्द्र सिंह, निरीक्षक / हि.अ.
सम्पादक–सह–प्रभारी,
जनसंपर्क शाखा, महानिदेशालय

इस संसार में धन–संपदा का मूल्य हैं, लेकिन उससे भी अधिक मूल्य उसकी पुण्यसंपदा का होता है। यह प्रत्यक्ष दिखाई तो नहीं देती, लेकिन निष्काम भाव से किए गए अच्छे कर्मों के माध्यम से संचित होती रहती है। जिस व्यक्ति में यह पुण्यसंपदा जितनी ज्यादा होती है, वह व्यक्ति भौतिक जीवन में उतना ही सफल, समृद्ध और प्रसिद्ध होता जाता है। ऐसे व्यक्तियों को सफल होने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती, क्योंकि उनके अंदर की पुण्यसंपदा उनकी इच्छाओं को शीघ्र पूरा करती जाती है।

इसके विपरीत व्यक्ति के अंदर पापकर्मों की संपदा एकत्र हो जाने पर उसके जीवन में बीमारियॉं, असफलताएं, निराशा, अत्यधिक कष्ट–कठिनाईयां, कठिन, चुनौतियां, कर्ज, अशांति, कलह बने रहते हैं और उसका जीवन उसे घोर नारकीय प्रतीत होता है। ऐसे जीवन से हर कोई दूर जाना चाहता है, लेकिन व्यक्ति के साथ जो हे, वह उसके साथ रहेगा, चाहे वह कहीं भी जाए। यही कारण है कि ऐसे व्यक्ति को कितना भी अच्छा वातावरण मिल जाएं, वह थोड़ी देर तो, खुश रहेगा, लेकिन कुछ समय बीतने पर अपनी स्थिति में वापस आ जाएगा। इस संदर्भ में किसी महान संत ने ठीक ही कहा है कि ''पाप अपने साथ रोग, शोक, पतन, पराभव, निंदा तिरस्कार लेकर आता है।

इस संसार में हर व्यक्ति के अंदर स्वयं को अधिक श्रेष्ठ, अधिक सुंदर, कुछ विशेश, सबसे हटकर प्रदर्शित करने का एक गुण छिपा हुआ है। इसे महत्वपूर्ण दिखने का शौक भी कह सकते है। इस कारण हर व्यक्ति इसी कोशिश में लगा रहता है कि कैसे वह सबकी नजरों में ऊपर चढ़ जाए। दूसरों की नजरों में अच्छा दिखने के लिए अपनी छवि बनाने के लिए यदि व्यक्ति को अनैतिक कार्य भी करना पड़ता है, तो वह उसे करने से नहीं कतराता । इस तरह के किए गए अनैतिक कार्यों से वह अपने भविष्य के धरातल पर कांटे बोता रहता है, लेकिन उसे यह पता ही नहीं होता कि वह क्या कर रहा है और इसका परिणाम उसके लिए कितना दुःखदायी होगा।

यह सच है कि यह दुनिया दिखावे की है। यहां हर चीज दिखावट की वस्तु है। जो अपने को जितना सुंदर दिखाता है, वह उतना ही श्रेष्ठ कहा जाता है, लेकिन वास्तविकता कुछ भिन्न है। भिन्नता यह है कि जो भी वस्तु या चीज बाहर से जितनी सुंदर दिखाई जाती है या दिखती है, क्या वह अंदर से भी उतनी ही सुंदर है ? यदि है तो इससे सर्वोत्तम कुछ भी नहीं और यदि नहीं है तो यह केवल एक प्रकार का आडंबर मात्र है, जो हमारी अंतरचेतना पर एक ऐसा आवरण चढ़ा देता है, जिसके नीचे हमारी मौलिकता छिप जाती है और इसे हटाने के लिए हमें कठिन मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि यह एक ऐसा परदा होता है, जिसे हमने स्वयं ओढ़ा है, खुद को स्वयं से दूर किया है। यह एक ऐसा अंधेरा होता है, जिसे हमने स्वयं आमंत्रित किया है, भले ही हम उसे उस समय नहीं समझ पाते और उसके दुष्परिणाम को नहीं जान पाते।

इस दुनिया में अनेक ऐसे व्यक्ति हैं, जो दिखावे की दुनिया में जीते हैं। ये वास्तविकता जानते हुए भी उसे स्वीकार नहीं करना चाहते हैं और किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शॉटकर्ट तलाशते हैं। कड़ी मेहनत और उसमें लगने वाले समय पर विश्वास नहीं करते और ऐसे तरीके ढूंढ़ते रहते हैं, जिससे जल्दी ही उन्हें फायदा मिले और कुछ करना भी न पड़े। ऐसे व्यक्ति अपने व्यक्तित्व की मौलिकता को विकसित नहीं कर पाते, क्योंकि वे अपने आप से ही बहुत दूर हो जाते हैं।

दिखावे की इस दुनिया में रहने वाले यदि अपने जीवन में अच्छे कार्य करते हैं तो वह भी सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिए करते हें, ताकि लोग यह समझें कि वे कितने अच्छे हैं और इस दिखावे के कारण वे यदि कुछ अच्छा कार्य करते भी हें तो उसका कुछ भी पुण्य उनके जीवन में संचित नहीं हो पाता, अर्थात उनका जीवन पुण्यसंपदा से रिक्त ही रहता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति एक बोतल रक्तदान दूसरों के लिए करता है, किन्तु वह अपनी फोटो खिंचवाकर पेपर में छपवाता है, तो एक बोतल रक्तदान करने से जो पुण्य उसके जीवन में संचित होना चाहिए था, वह पेपर में फोटो छपाने, दूसरों की नजरों में ऊपर चढ़ने और उनकी वाहवाही पाने में चला जाता है।

यह सच है कि जीवन में मिलने वालीं कष्ट–कठिनाईयां हमें अंदर से शुद्ध करती हैं, बुरे कर्मों के भोग को पूरा करती है और जीवन की सुदरता को निखारती है, लेकिन जीवन के कठिन समय को समझना, स्वीकार करना और उसे जीना बहुत कठिन होता है। उस समय अधिकतर व्यक्ति स्वयं को कोसने के साथ नकारात्मक विचारों व भावनाओं से भी घिर जाते हैं, जो उनके लिए अच्छा नहीं होता, लेकिन यह कठिन समय हमारी चेतना को प्रकाशित करने के लिए आता है। इस समय हममें अपने जीवन को समझने को होश जाग्रत होता है और यह हमारी अंतचेतना को सामान्य क्षणों की तुलना में कुछ अधिक देकर जाता हैं, भले ही हम इसकी कीमत न समझ पाते हों।

जीवन में कभी भी ऐसा नहीं होता कि किसी व्यक्ति के अंदर केवल पापसंपदा या केवल पुण्यसंपदा हो । यह अच्छी या बुरी संपदा उसके बीते हुए समय में किए गए कर्मबीतों पर निर्भर करती है कि उसने किस तरह के कर्म किए हें, तदनुरूप ही उसके परिणाम भविष्य में मिलते हें। यह परिणाम कब और किस तरह मिलेंगे, यह जानना सबके लिए संभव नहीं है, क्योंकि हमारे जीवन के ग्रह–नक्षत्र हमारे अतीत में किए गए कर्मों के अनुरूप व्यवस्थित हो जाते हैं और फिर समयानुसार घटनाएं घटित होती रहती हैं, लेकिन एक अंतर्दृष्टि–सम्पन्न अध्यात्मवेता इसे आसानी से समझ सकता हैं व्यक्ति का जीवन कैसा होगा, यह इसीलिए रहस्यपूर्ण हैं, क्योंकि आज हम जिस वर्तमान के धरातल पर खड़ें हें, वह अतीत की पृष्ठभूमि से पनपा है और आने वाले भविष्य का धरातल इसी वर्तमान की आधारशिला से उत्पन्न होने वाला है। यदि हम अपने जीवन को समझाना चाहते हें तो हमें अपने जीवन में ओढ़ी हुई उन परतों को पार करना होगा, जिनके भीतर हमारा अस्तित्व, हमारी मौलिकता छिपी हुई हैं। जीवन में अच्छे कर्म करने का सतत अभ्यास डालना होगा, ताकि हम उस पुण्यसंपदा को अर्जित कर सकें, जिससे हमारा जीवन सुरक्षित, शांतिपूर्ण प्रकाशवान व सफल बन सके। इस संसार में वही सच्चे महापुरूष बने हैं, जिन्होंने दिखावे के जीवन का त्यागकर निष्काम भाव से लोकहित का मार्ग अपनाया है। अतः दिखावे की दुनिया से बाहर आकर हमें वास्तविक दुनिया में निष्काम भाव से जीना चाहिए।

मणिपुर विधान सभा चुनाव 2017

जब–जब देश में चुनाव की बात होती है, तो उसके साथ ही सीआरपीएफ को भी अवश्य ही याद किया जाता है, जो सरकार एवं जनता के दिलों में सीआरपीएफ के प्रति आस्था को दर्शाता है और बल जनता की आस्था पर हमेशा ही खरा उतरता आया है। आस्था का यह सिलसिला मणिपुर विधान सभा चुनाव 2017 की घोषणा के साथ भी देखने को मिला जब मणिपुर विधान सभा चुनाव 2017 को अंजाम देने के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी सीआरपीएफ को सौंपी गई और चुनाव समन्वयक की जिम्मेदारी मणिपुर नागालैंड सेक्टर के.रि.पु.बल इम्फाल को सौंपी गई और इस जिम्मेदारी को पुलिस महानिरीक्षक मणिपुर व नागालैंड सेक्टर के समस्त अधिकारियों एवं जवानों द्वारा पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ बखूबी निभाया।

भारत के चुनाव आयोग द्वारा मणिपुर विधान सभा चुनाव दो चरणों में, पहला चरण 4 मार्च और दूसरा चरण 8 मार्च 2017 को, कराए जाने की घोषणा की गई। इसी घोषणा के साथ मणिपुर चुनाव समन्वयक के रूप में नामित पुलिस महानिरीक्षक मणिपुर व नागालैंउ सेक्टर द्वारा मणिपुर चुनावों पर अपनी रणनीति तैयार कर शांतिपूर्ण चुनाव कराए जाने का बीड़ा उठाया और चुनाव बूथों की गंभीरता को देखने हुए मणिपुर घाटी को सेक्टरों में विभक्त करके चुनाव नॉडल अधिकारी एवं चुनाव उप नॉडल अधिकारी नियुक्त करते हुए अलग–अलग टीमें गठित की तथा सभी टुकड़ियों को अलग–अलग ड्यूटियां एवं इलाके सौंपे। चुनाव में विभिन्न फोर्सो की कुल 280 कम्पनियां तैनात की गई जिसमें सीआरपीएफ की 131 कम्पनियां शामिल थी।



चुनाव ड्यूटी के लिए बाहर से आने वाली सैनिक टुकड़ियों के लिए रेलवे स्टेशन दीमापुर, ट्रांजिट कैंप दीमापुर तथा उन्हें इम्फाल तक लाने के लिए उनके लिए परिवहन, रहन–सहन, खान–पान तथा संचार इत्यादि की बेहतरीन व्यवस्था की गई। बलों की सभी टुकड़ियों में आपसी मेल–मिलाप एवं ताल–मेल स्थापित करने के लिए इम्फाल में उनकी उचित ब्रीफिंग की गई तथा चुनाव ड्यूटी के दौरान करो



–मत करो के बारे में जवानों को प्रशिक्षित भी किया गया तथा सभी टुकड़ियों को समय पर मतदान केन्द्रों तक पहुचाने की उदाहरण एवं कारगर परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिसके कारण सभी सैनिक टुकड़िया पूर्व निर्धारित चुनाव बूथों तक समय पर पहुच सकी और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हो सका। मणिपुर व नागालैंड सेक्टर द्वारा चुनावों के दौरान सैनिक टुकड़ियों के लिए की गई बेहतरीन व्यवस्था एवं मुहैया कराई गई सुविधाओं तथा बलों द्वारा की गई ड्यूटियों की क्रमवार कुछ एक झल्कियां :–



मुख्य चुनाव अधिकारी मणिपुर की रिपोर्ट के मुताबिक मणिपुर राज्य में चुनावों के अब तक के इतिहास में मणिपुर विधान सभा चुनाव 2017 सबसे शांतिपूर्ण चुनाव रहा है। इस चुनावों में कोई भी सैनिक हताहत नहीं हुआ है, जो एक ऐतिहासिक घटना है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने मणिपुर विधान सभा चुनाव 2017 की अपनी समीक्षा यात्रा के उपरान्त सीआरपीएफ के महानिदेशक को चुनावों में सीआरपीएफ की भूमिका की व्यक्तिगत रूप से सराहना की है। मुख्य चुनाव आयुक्त की शांति पूर्ण चुनावों पर की गई केरिपुबल की सराहना निम्नांकित वाक्य की सार्थक को सिद्व करती है :–

-के.रि.पु.बल है जहां, शांति है वहां-

कविता



सि/जीडी तालिव हुसैन
223 बटा0, पोलमपल्ली, सुकमा

सी0आर0पी0एफ0 के वीर जवान है हम।
दुश्मन के लिये तलवार है हम।।
डरते नहीं बहुत दिलेर है हम।
बटालियन 223 के शेर है हम।।

हम भारत मॉ के चीते है।
बारूद के ढेर पे जीते है।।
जो हम से टकराता है छाती चीर के खून पीते है।
तुफान है हम कभी रूकते नही है।
फौलाद के ये सीने है कभी झुकते नही है।।

हम अपने उन शहीदों की सहादत को न भूलेंगे।
अब दुश्मन के पतंग कभी इन हवाओं में न झूलेंगे।।
हम अपने देश की जनता को नींद से जगा देगें।
और देश के जालिम दुश्मन को लंबी नींद सुला देंगे।।

उठो मेरे देश के बीर जवानों अब वक्त आया है बदले का।
चुन चुन मारो दुश्मन को हम ऐसी आग लगा देंगे।।
हम भारत मॉ के चरणों पर दुश्मन का शीश झुका देंगे।
वो रोयेगा पछतायेगा हम ऐसा जाल बिछा देगें।।
वों सम्मान करेगा तिरंगे का हम ऐसा सबक सिखा देंगे।
और नारा लगाएगा जय हिन्द का हम ऐसा हाल बना देंगे।।

बदले की आग दिल से ना बसाना यारो।
दुश्मन को कभी पीठ न दिखाना यारो।।
खून का बदला खून ही होगा।
खून से ही चुकाना यारो।।

अरे नक्सल तो नक्सल फिदायन भी ना छोड़े हमने।
भरी जुल्मत में दौड़ा दिये है घोडे हमने।।
उठ जा तालिब हो जा शुरू करके याद उन शहीद जवानों को।
ले ले बदला और निस्तों नाबूद करते दुश्मन के ठिकानों को।।

कविता



सिपाही/जीडी
कुलदीप सिंह, 03 बटा0,
के.रि.पु.बल

पासे सभी पलट गये, आंतकवादियों की चाल के ।
सी0आर0पी0एफ0 ने हौसला दिखाया, हर मुश्किल को टाल के ।।
सदियों के बाद फिर उड़े, बादल गुलाल के ।
सी0आर0पी0एफ0 जवान लाये हैं, तूफान से कश्ती निकाल के ।।

सी0आर0पी0एफ0 की आन को जवानों, रखना संभाल के ।
देखो कहीं बर्बाद ना होवे, सी0आर0पी0एफ0 का ये बगीचा ।।
इसको हृदय के खून से शहीदों ने है सींचा ।
रखा है चिराग शहीदों ने जला के
सी0आर0पी0एफ0 की आन को जवानों, रखना संभाल के ।।

आंतकवाद के दाव से, रखना है वास्ता ।
मंजिल हमारी दूर है, लंबा है रास्ता ।।
मार ना दे कोई गोली हमें, धोखे में डाल के ।
सी0आर0पी0एफ0 की आन को जवानों, रखना संभाल के।।

बमों के जोर पे ऐठा है, आंतकवाद–नक्सलवाद ।
खुद बारूद के ढेर पर बैठकर होना है उनको बर्बाद ।।
जवानों हर कदम रखना जरा देखभाल के।
सी0आर0पी0एफ0 की आन को जवानों, रखना संभाल के ।।

आराम की भूल–भूलैया को तुम भूलो ।
नेट के सर्वर में मगन होके ना झूलो।।
अब वक्त आ गया है मेरे सी0आर0पी0एफ0 के जवानों ।
तुम गाड़ दो गगन में सी0आर0पी0एफ0 का झण्डा उछाल के ।।

सी0आर0पी0एफ0 की आन को जवानों, रखना संभाल के ।।

श्री सुदीप लखटकिया, भा.पु.से., कार्यवाहक महानिदेशक, के.रि.पु.बल के दौरे

आर.टी.सी. श्रीनगर, दिनांक 24.03.2017







208 कोबरा, बालाघाट(म.प्र.), दिनांक 29.03.2017







महानिदेशालय के कार्यक्रम

महानिदेशक द्वारा मा0 गृहमंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत एवं मा0 गृह मंत्री द्वारा बस का निरीक्षण, दिनांक 04.03.2017





महानिदेशालय मे होली मिलन समारोह, दिनांक 10.03.2017





न्यू फाइनेन्सियल मैनेजमेंट कार्यक्रम, दिनांक 10.03.2017





महानिदेशालय के कार्यक्रम

सैनिक सम्मेलन समारोह, दिनांक 24.03.2017





श्री राविन्द्र भगत, कमाण्डेन्ट आर.ए.एफ. के लाइवेरिया से अगमन पर महानिदेशक द्वारा स्वागत, दिनांक 03.04.2017



श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक सम्मान गार्ड का अभिवादन करते हुए



श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक के.रि.पु.बल का महानिदेशालय मे आगमन, दिनांक 28.04.2017





महानिदेशालय के कार्यक्रम

Celebrities Donates Fund To The Martyrs Of CRPF



Akshay Kumar, the Khiladi of bollywood has donated a sum of Rs 09 lakhs each for the bereaved family members of the martyrs of CRPF who had laid down their lives fighting the Maoists in Sukma, Chhattisgarh. Ms. Saina Nehwal, Badminton Star, Shri Vivek Kumar Srivastava, G.M-Alumina Operation Hindalco Ind. Ltd. and Shri K.S. Rathee, Chairman and Managing Director ASK Automotive Pvt. Ltd. have also donated Rs. 50 Thousand, 1 lakhs, 09 Thousand each to the next of kin of martyrs of CRPF.



The CRPF troopers were out for ROP duty on 11th March when their party was ambushed by the Maoists with automatic weapons and IEDs. But the troops retaliated their attack very bravely and valiantly to defeat their nefarious designs. In the ensuing gun fight 12 brave hearts of CRPF sacrificed their lives, in the line of duty fighting the Maoists.

This gesture of Akshay Kumar, Ms. Saina Nehwal, Shri Vivek Kumar Srivastava & Shri K.S. Rathee exhibits their patriotism and devotion towards the country in general and CRPF in particular.

श्री के.एस. राठी, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ए.एस.के. ऑटोमोटिव प्रा.लि. को श्री सुदीप लखटकिया भा.पु.से., कार्यवाहक महानिदेशक, के.रि.पु.बल द्वारा स्मृति चिन्ह भेट करते हुए, दिनांक 18.04.2017





श्री जी. कपूर, एल.जी. के प्रबन्ध निदेशक ने 1 करोड़ रूपये का चैक महानिदेशक के.रि.पु.बल को भेंट किया, दिनांक 07.04.2017





विविध कार्यक्रम

उत्तरी सेक्टर परिसर में विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन, दिनांक 07.04.2017



श्रीमती शालू लखटकिया, उपाध्यक्षा कावा, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दीप प्रज्वालित करती हुई



श्रीमती शालू लखटकिया, उपाध्यक्षा कावा, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर अपनी विचार व्यक्त करती हुई

ग्रु0के0, के.रि.पु.बल नीमच (मध्य प्रदेश)



पु0उ0म0नि0, ग्रु0के0, नीमच दिनांक 26.03.2017 को बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेता को ट्रॉफी प्रदान करते हुए



पु0उ0म0नि0, ग्रु0के0, नीमच दिनांक 05.04.2017 को सिंथेटिक बैंडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन करते हुए

ग्रु0के0, के.रि.पु.बल नीमच (मध्य प्रदेश)



विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन, दिनांक 07.04.2017

109 बटा0, के.रि.पु.बल



वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

विविध कार्यक्रम

ग्रु0के0, के.रि.पु.बल हैदराबाद



विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन, दिनांक 07.04.2017

ग्रु0के0, के.रि.पु.बल बनतालाब



अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, दिनांक 08.03.2017

कम्पोजिट अस्पताल, के.रि.पु.बल पल्लीपुरम



दिनांक 09.03.2017 को ऑर्गेन डोनेशन एवं विश्व किडनी दिवस का आयोजन

कम्पोजिट अस्पताल, के.रि.पु.बल पल्लीपुरम



अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

ग्रु0के0 के.रि.पु.बल, लखनऊ



कावा ग्रुप केन्द्र, लखनऊ द्वारा प्रौढ़ शिक्षा का आयोजन
दिनांक 07.04.2017

मणिपुर व नागालैंड सेक्टर के.रि.पु.बल, मणिपुर



मणिपुर व नागालैंड सेक्टर में शौर्य दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बाल कलाकारों के साथ डॉ नजमा हेपतुल्ला, महामहिम राज्यपाल, मणिपुर।

विविध कार्यक्रम

आई.एस.ए. के.रि.पु.बल, माउण्ट आबू



भारतीय कोस्टल एवं मेरीटाइम सिक्योरिटी और तट रक्षक बल की भूमिका की चर्चा करते हुए श्री एस.एस.एन. बाजपेयी, पु.उ.म.नि., भारतीय तट रक्षक बल



श्री अभय, अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण) के.रि.पु.बल यू.एन.एम.सी. क्रम.सं. 06 के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए

आई.एस.ए. के.रि.पु.बल, माउण्ट आबू



महामहिम राज्यपाल, पुदुचेरी, श्रीमती किरण बेदी आई.एस.ए. माउण्ट आबू का निरीक्षण करती हुई



महामहिम राज्यपाल, पुदुचेरी, श्रीमती किरण बेदी को श्री एम.पी.एस. नेगी निदेशक आई.एस.ए. माउण्ट आबू स्मृति चिन्ह भेट करते हुए

स्थापना दिवस समारोह

ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल राँची, दिनांक 06.04.2017



स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम



स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम



Sh. Rajesh Pratap Singh, ADG, CRPF bagged Pandit Govind Ballabh Pant Award

Sh. Rajesh Pratap Singh, ADG, CRPF has bagged the Pandit Govind Ballabh Pant award (Rs. 40,000/-) for writing his book "New Technology and Police".

The award was instituted in 1982 in the memory of Former Union Home Minister & Freedom Fighter Pandit Govind Ballabh Pant's birthday by Bureau of Police Research & Development (BPR&D), MHA, Govt. of India for writing books on Police & Forensic Science.

CRPF PUBLIC SCHOOL, ROHINI, DELHI INVESTITURE CEREMONY

"Old order changeth yielding place to new"

The warm and sunny day of 24th April,2017 dawned with the promise of a new future for CRPF Public School, Rohini, as the new Prefectorial Board members put on the new hats of responsibility. The ceremony started with the school Band welcoming the Chief Guest, Shri R.K.Singh, Commandant, 89 Bn.CRPF, to the Assembly Ground. The school's Choir group invoked the divine blessings by singing the prayer. In order to salute the beauty of the Earth and cherish a natural resources a mesmerizing dance was performed. Sankalp Geet was sung by the school's choir group in order to mark the occasion. Badges were handed over to new Prefectorial Board members by the Chief Guest Shri R.K.Singh, Commandant, 89 Bn.CRPF, Mrs.Nidhi Chaudhary, Principal and Mrs.Uma Mudgal, Vice Principal. An oath was administered by the chief guest. The ceremony concluded with the encouraging words by the Chief Guest and a vote of thanks by the school Principal, Mrs. Nidhi Chaudhary.





CRPF Organizes State Level Football Tournament



The 7th Seventh Edition of Shaheed Manoranjan Singh State Level Football Tournament organized from 23/03/2017 to 31/03/2017 by GC, CRPF, Imphal and Imphal west district association, Manipur under the aegis of IG Manipur & Nagaland, Sector CRPF & AMFA at Khurman Lampak Main Stadium concluded on 31st March, 2017. Honorable Governor of Manipur State Dr. Najma Heptulla was the Chief Guest of the function.

Honorable Governor has formally concluded the programme. Shri Vikram Sehgal, IPS, IGP, Manipur & Nagaland Sector and other senior. Shri S. Pramod Asthana (IPS), ADG, Manipur Police who was the Chief Guest had inaugurated the tournament on 23rd March 2017.



In the nine days football extravaganza, twelve teams participated in the competition. The aim and objective of this competition was to pay befitting tribute to the gallant of Shaheed Manoranjan Singh, Asstt. Commandant who made supreme sacrifice



during a special operation while fighting naxals in Chhattisgarh on 17/03/2009. It also endeavors to promote sports, in general and particularly football in Manipur and motivate youth of the State to keep oneself abreast with sports.





The Winner & Runner up teams were awarded Rs. 1,00,000/- and Rs. 75,000/- as Prize respectively by the Chief Guest. Shri Vikram Sehgal, IPS, IGP, Manipur & Nagaland Sector presented memento to



Honorable Governor of Manipur State Dr. Najma Heptulla.

शहीद स्मारक का अनावरण

दिनांक 09/04/2017 को शौर्य दिवस के अवसर पर ग्रुप केन्द्र, राँची में श्री संजय आनन्द लाठकर, भा0पु0से0, महानिरीक्षक झारखण्ड सेक्टर द्वारा अमर शहीद प्रमोद कुमार, कमाण्डेन्ट की मूर्ति का अनावरण किया गया। अमर शहीद प्रमोद कुमार कमाण्डेन्ट, 49 बटा0 के.रि.पु.बल, श्रीनगर (जम्मू–कश्मीर) में अपनी मातृभूमि की रक्षा में आतंकवादियों से



डॅटकर मुकाबला करते हुए, 15 अगस्त, 2016 को वीरगति को प्राप्त हुए। शहीद प्रमोद कुमार का जन्म 15/10/1972 को बिहार राज्य के ग्राम बख्तियारपुर, जिला पटना में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा झारखण्ड राज्य के जामताड़ा जिला में हुआ। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर वे भारतवर्ष के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल सीआरपीएफ में सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर चयनित हुए एवं अपने कुशलता एवं दक्षता से कमाण्डेन्ट के पद पर पदोन्नत हुए। इस अवसर पर शहीद प्रमोद कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती नेहा त्रिपाठी एवं राँची के अन्य शहीद के परिजनों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री संजय आनन्द लाठकर, पुलिस महानिरीक्षक झारखण्ड सेक्टर, राँची द्वारा अधिकारियों एवं जवानों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए महानिदेशक के डिस्क एवं प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। साथ ही इस अवसर पर वीरता पदक प्राप्त अधिकारियों एवं जवानों को भी सम्मानित किया गया। सैनिक सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान श्री लाठकर ने उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को पराक्रम की परम्परा का अनुसरण करने का संकल्प दिलाया। वीर शहीदों की याद में उन्होंने कहा कि शूरवीर मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देकर हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं तथा हमारे लिए प्रेरणा श्रोत का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर श्री राजीव राय, उपमहानिरीक्षक, श्री आई0 लोकेन्द्र सिंह, उपमहानिरीक्षक, श्री के0के0 पाण्डेय, कमाण्डेन्ट, श्री एन0के0 पाण्डेय, कमाण्डेन्ट, श्री पी0के0 संदवार, कमाण्डेन्ट, श्री राजीव कुमार, कमाण्डेन्ट, श्री ए0डी0 शर्मा, कमाण्डेन्ट, श्री आशु शुक्ला, कमाण्डेन्ट तथा ग्रुप केन्द्र, राँची और संयुक्त अस्पताल, राँची के अन्य अधिकारीगण, सैनिकगण एवं उनके परिजन भी उपस्थित थे।



Achievements

OPS BRANCH

On 01/03/2017, Budhri @ Geeta, Member of PLGA Coy No.2 of CPI (Maoist) and carrying a bounty of Rs.8 lakh surrendered before Commandant 80 Bn, CRPF, at Jagadalpur. Having worked for CPI(Maoist) for about 7 years, Budhri worked in Platoon No.3 of PLGA Coy No.2, active in West Bastar Divisional Committee and initially carried 303 Rifle.

PLGA Coy No.2 has history of violence against security forces in Bijapur and Budhri herself has participated in at least 4 major incidents :-

1) Bhadarkali ambush on state police, Aug 2011, 12 Security forces martyred

2) Kurchail encounter by CRPF/STF against maoist on 25/02/2013, 2 maoists killed

3) Jeeramgahati ambush on Parivartan Rally of Congress, 25/05/2013, 17 politicians and 10 SF troops martyred

4) Nukanpal (PS Modakpal), Bijapur ambush, 27/11/2013, 4 CRPF personnel martyred, one maoist killed.

It was infact a series of sustained efforts by CRPF which succeeded in roping in Budhri, from the path of violence to join the mainstream. CRPF team was working with the family closely to persuade the lady for surrender. Budhri, carried a bounty of Rs8 Lacs on her being a dreaded member of the PLGA company, the formidable military wing of the CPI Maoist.

Jammu & Kashmir

05/03/2017



Joint troops of 130, 180 & 185 Bn. CRPF alongwith 42 RR and SOG Awantipora & Tral carried out Cordon and Search Operation in Village Hyna (Hafu), PS Tral, Distt.: Pulwama (J&K). During the operation, an encounter broke out between militants and troops in which two terrorists namely Aqib Ahmed Bhat s/o AB. Khaliq Bhat & Abu Hamza (foreign Terrorist) were neutralized. Troops also recovered two AK - 47 Rifles from slaim terrorists.

09/03/2017

Troops of 90,116,130,180 & 185 Bn. CRPF alongwith 55 RR, SOG and State Police carried out Cordon and Search operation at Padgampora, PS Awantipora, Distt. Pulwama (J&K). During the operation an encounter broke out between troops & terrorists and two terrorist namely Md.Shafi Sherguri (LeT, Cat A, r/o - Pulwama, J&K) and Jahangir Ahmed Ganni (LeT, Cat A, r/o - Pulwama, J&K) were neutralized. Troops also recovered two AK-47 Rifles with 03 magazines, 49 live rounds of 7.62 mm from slam terrorists.

15/03/2017

CRPF troops of 98 Bn. alongwith 41 RR, SOG & State Police carried out Cordon and Search Operation at Kunnad, PS & Distt. Kupwara (J&K). During the operation an encounter broke out between troops and terrorists in which three terrorists were neutralized. Troops also recovered 03 AK-47 Rifle along with 12 magazines, 03 hand grenades and one UBGL from slam terrorists.

19/03/2017

Troop of 3 Bn. CRPF alongwith 14 RR, SOG & State Police laid Naka. During the Operation a Tata Sumo carrying 11 passengers, was stopped. One of the passenger namely Mushtaq Siri fired upon troops in which Major Jaani of 14 RR sustained bullet injuries on his left thigh. In retaliation, troops neutralized the militant and recovered one 9 mm Pistol along with Magazine, 9 live rounds of 9 mm and one hand grenade from his possession.

26/03/2017

CRPF troops of 130 Bn. alongwith State Police



carried out search operation at Padgampora, PS Awantipora, Distt. Pulwama (J&K). During the operation troops intercepted a Maruti 800 Car, on warning unknown terrorists started firing from the car. Troops retaliated promptly and neutralised two terrorists namely Shabaz Ahmad Wani (Cat- "A") & Farooq Ahmad Hurra (Cat- "C") in the encounter. Troops also recovered one AK-47 rifle with 01 magazine, one SLR rifle with 02 magazines, 23 live rounds of AK-47, 24 live rounds of SLR and one Chinese grenade from slam terrorists.

28/03/2017

Troops of 29, 44, 79, 178 & 181 Bn. CRPF joined an ongoing operation conducted by 53 RR alongwith State Police in which one militant was hidden in a house in village Sicergam, PS Doru, Distt. Anantnag (J&K). During Operation one HM terrorist namely Touseef was neutralized by the troops

LWE Theatre

Bihar

08/03/2017

CoBRA troops (205 CoBRA) alongwith State Police carried out Search and Destroy Operation in the forest area of Village Thamkola, PS Sirda, Distt. Nawada (Bihar). During the operation, an encounter broke out between security forces and maoists in which four hardcore maoist namely :- Anil @ Deepak (r/o Gaya) Zonal Commander Magadh Zone, Chandan Yadav@Nepali (r/o Nawada, BHR) Sub Zonal Comdr, Sukhadi Chaudhary @Tufani, Sub Zonal Commander, & Arvind Kr @ Arvind Verma, Sub Zonal Commander were neutralized. Troops recovered one AK-47 rifle alongwith two magazines, two INSAS Rifle along with six magazines, one SLR with two magazines, 195 live assorted rounds, two Electric Detonators, one communication Set, one maoist uniform and other incriminating items from the encounter site.

Chhattisgarh



18/03/2017

Troops of 111 & 231 Bn CRPF alongwith DRG troops carried out search ops in Dorapara & Burgum area, PS Aranpur, Distt. Dantewada (Chhattisgarh). During the operation an encounter broke out between security forces and Maoists in which five Maoists (3 Male and 02 Female) were neutralized and one maoist was apprehended in injured condition and was admitted to hospital. Troops also recovered one AK 47-rifle, one INSAS rifle, two C/M Gun & Misc items from encounter site.



WELFARE BRANCH

- In order to honour and to uplift social recognition of family members of martyrs of Force, statue/bust of Martyrs of this Force are established in the premises of school where they had last studied .
- To implement the portal **"Bhavishya"** software (online pension processing and payment tracking system), training has been given at 5 nodes i.e Jammu / Hyderabad / Kolkata / Lucknow / Guwahati. Nearly 2391 Nos. of employees and 185 DDOs have been registered under "Bhavishya".
- In order to motivate the officers/personnel and their family members as well to donate their various organs and send their willingness alongwith pledge Form-7 to Welfare Directorate, more than 8 thousand pledge (Form-7) of the officers/personnel of this Force have been received in this Dte.
- The disabled personnel namely CT/GD Arjun Ram of 74 Bn and CT/GD Sunil Kumar Minj of 204 Bn have been paid Rs. 7,58,550/- each as Financial Assistance on 02/03/2017 for fitment of artificial limb out of Risk Fund.
- Out of CRPF Education Fund, Rs.3,46,07,200/- remitted to the officers / personnel for their wards on 10/04/2017 on account of Merit Scholarship 2016-17.

RECRUITMENT Dte.

- MHA has declared CRPF as Nodal Force for conducting recruitment of Specialist Medical Officer(DC), Medical Officer(AC) & Dental Surgen(AC) through MOSB-2016. Draft advertisement already sent to MHA on 30/03/2017 for approval. Necessary action is being taken for publication of approved Advt. on receipt from MHA.
- Pers Dte has released vacancy of 14 GDMOs and 69 Specialist (Contractual appointment of GDMOs & Specialist) for the year 2017. Walk-in-interview has already been completed at 20 CH and 01 GC.
- Board proceedings of all centre have been received and scrutiny handed over to Pers Dte for issuing offer of appointment to selected 13 GDMOs and 15 specialist.
- 219 vacancies for the post of AST/Steno for the year 2016-17 have been advertised on 03/03/2017. Last date of submission of online application was 25/4/2017.
- 135 vacancies of SI(Overseer), 03 vacancies of ASI(Draughtsman) and 102 vacancies of CT(Pioneer) for the year 2016-17 have been released. Window opened for filling online application wef 06/04/2017 to 05/05/2017.
- Recruitment of 394 vacancies (Male-364 & Female-30) of HC(GD) LDCE for the year 2016 have been completed and total 372 candidates (362 Male and 10 Female) selected for the post.
- 24588 vacancies (Male-22623 & Female-1965) for the post of CT(GD) for the year 2015-16 have been realised. Final merit list published by SSC and total 21527 candidates (20039 Male and 1488 Female) is allotted to CRPF. Completion of post recruitment formalities is under process.
- 95 Cases of compassionate appointment to NOKs of Martyrs have been finalized during the month of March and April.

SPORT BRANCH

CRPF Women Volleyball Players of Central sporting teams represented Delhi State has won 01 Bronze Medal in 17th beach volleyball National Championship (Men & Women) held at Karikal, Pudduchery from 17th March to 19th March, 2017

Transfers

Sl. No.	Name of Officer & Rank	IRLA	From	To
1.	Sh. Rakesh Kumar Yadav, IG	2517	Dte. Genl.	CTC Mudkhed
2.	Sh. D. S. Bains, DIG	2494	O/O IG NWS	DIG Range KKT
3.	Sh. Akhilesh Pd. Singh, DIG	2770	GC NGR	DIG GC Ranchi
4.	Smt. Seema Dhundia, DIG	2661	O/O IG RAF	DIG GC IMP
5.	Sh. Ras Bihari Singh, DIG	3451	Range Raipur	RTC Amethi
6.	Sh. Ashok Prasad, DIG	2783	RTC AMT	O/O IG NWS
7.	Sh. Suresh Sharma, DIG	3353	O/O IG JKD (Tac : Hazaribagh)	(Ops) Range Bokaro
8.	Sh. S. Elango, DIG	2647	DIG (Ops) Dte	O/O IG KKS
9.	Sh. Ravindra Singh Rautela, DIG	3122	Range LKW (U/O transfer to O/O IG ES (Now IG KKS)	O/O SDG NEZ
10.	Sh. Ajay Mishra, DIG	3397	O/O IG CG	DIG (Ops) Dantewada
11.	Sh. Shailendra, DIG	3398	DIG (Rectt.) Dte. (U/O transfer to GC AGT)	O/O IG SNR
12.	Sh. Brig. (Retd.) S.K. Sharma, DIG	10568	DIG (Trg.)Dte.(U/O transfer to DIG (Ops) Range Bokaro)	O/O IG M&N
13.	Sh. Vijay Kumar, IPS, DIG	10447	Range HQr N/DLI	DIG (Comn) Dte
14.	Sh. Pravat Kumar Nayak, DIG	3137	Range HQr Sambalpur (Tac : Rayagada)	Range HQr New Delhi
15.	Dr. Devinder Jit Singh, DIG	3116	ISA M/ABU	RTC Latur
16.	Sh. Subrat Kumar Mishra, DIG	2677	Range HQr CNI	Range HQr Raipur
17.	Sh. Sham Chand, DIG	2503	Range HQr JMU	O/O IG JKD
18.	Sh. Gyanendra Kumar, DIG	3113	Dte. Genl	O/O IG N/Sector
19.	Sh. Dhiraj Kumar, DIG	3351	DIG (Ops) Bijapur	DIG (Ops) Dte.

A Warm Salute to Martyrs

CRPF troops under command of Sh. Srijith S. AC, alongwith State Police carried out Road Search Operation at Bheji Kottacheruvu axis PS Bheji Distt. Sukma on 11.03.2017. During operation, maoists fired upon troops followed by IED blasts which was retaliated by troops. In the incident following12 personnel got martyred and 02 personal sustained injuries.



Shaheed Inspector
Jagjit Singh, 219 Bn
17.06.1979 to 11.03.2017



Shaheed Asstt. Sub Inspector
Heera Bhallabh Bhatt, 219 Bn
06.12.1971 to 11.03.2017



Shaheed Asstt. Sub Inspector
Narender Kumar Singh, 219 Bn
03.09.1968 to 11.03.2017



Shaheed Head Constable
Premdas Ramdas Mendhe, 219 Bn
10.06.1977 to 11.03.2017



Shaheed Head Constable
Jagdish Prasad Bishnoi, 219 Bn
15.01.1981 to 11.03.2017



Shaheed Constable
K. Shankar, 219 Bn
07.04.1980 to 11.03.2017



Shaheed Constable
Rampal Singh Yadav, 219 Bn
05.01.1984 to 11.03.2017



Shaheed Constable
Nand Kumar Atram, 219 Bn
12.10.1987 to 11.03.2017



Shaheed Constable
Gorakh Nath, 219 Bn
16.01.1991 to 11.03.2017



Shaheed Constable
Satish Chandra Verma, 219 Bn
24.07.1978 to 11.03.2017



Shaheed Constable
Mangesh Bal Pandey, 219 Bn
30.03.1982 to 11.03.2017



Shaheed Constable
Suresh Kumar, 219 Bn
07.07.1985 to 11.03.2017

A Warm Salute to Martyrs

CRPF troops under commad of Sh. Jayan Viswanath, AC along with State Polic carried out area domination. During ops, an encounter broke out between troops & Maoists at Burkapal & Cintagufa PS Chintagupha Distt. Sukmaon on 24-04-2017. CRPF & CoBRA troops rushed to the spot for re-enforcement. During operation following 25 CRPF personnel sustained bullet injuries & attained martyrdom and 07 CRPF personnel sustained injuries.



Shaheed Constable
Arup Karmakar, 74 Bn
12.07.1992 to 24.04.2017



Shaheed Head Constable
Padmanabhan. M, 74 Bn
20.06.1972 to 24.04.2017



Shaheed Constable
P . Alagupandi, 74 Bn
02.06.1988 to 24.04.2017



Shaheed Constable
N. Sendhil Kumar, 74 Bn
27.05.1979 to 24.04.2017



Shaheed Constable
N.Thiru Murugan, 74 Bn
20.06.1981 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Binoy Chandra Barman, 74 Bn
19.05.1985 to 24.04.2017



Shaheed Head Constable
K P Singh, 74 Bn
21.01.1971 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Manoj Kumar, 74 Bn
05.07.1992 to 24.04.2017



Shaheed Sub Isnpector
Krishna Kumar Das, 74 Bn
05.06.1990 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Naresh Yadav, 74 Bn
15.12.1975 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Saurabh Kumar, 74 Bn
02.04.1991 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Abhay Mishra, 74 Bn
07.01.1993 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Krishn Kumar Pandey, 74 Bn
15.04.1987 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Abhay Kumar, 74 Bn
02.03.1990 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Ranjeet Kumar, 74 Bn
08.06.1990 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Banmali Ram, 74 Bn
02.05.1987 to 24.04.2017



Shaheed Asstt. Sub Inspector
Naresh Kumar, 74 Bn
08.02.1967 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Ram Mehar, 74 Bn
01.02.1975 to 24.04.2017



Shaheed Asstt. Sub Inspector
Sanjay Kumar, 74 Bn
05.10.1970 to 24.04.2017



Shaheed Head Constable/RO
Surender Kumar, 74 Bn
11.12.1983 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Ashish Kumar Singh, 74 Bn
01.03.1990 to 24.04.2017



Shaheed Constable
Narayan Pd Sonkar, 74 Bn
01.08.1977 to 24.04.2017



Shaheed Inspector
Raghbir Singh, 74 Bn
01.04.1968 to 24.04.2017



Shaheed Asstt. Sub Inspector
Rameshwar Lal, 74 Bn
07.07.1969 to 24.04.2017



Shaheed Head Constable
Banna Ram, 74 Bn
05.07.1972 to 24.04.2017



इतनी सी बात हवाओ को बताये रखना,
रोशनी होगी चिरागो को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल मे बसाये रखना ।
देश के शहीदो को नमन जय हिन्द जय शहीद !!

A Warm Salute to Martyrs

CRPF troops of Adhoc- 12 (C/97,G/157, D/37) u/s Sh. T. Thongkhan, Lal 2-I/C, were moving from Jammu to SNR by civil vehicles for Bye-election duties. During the moves CRPF troops were ambushed by militants. In the incident **06 personnel** sustained **bullet injuries:- 920180405 HC/GD Basppa Bajantri of 97 Bn, 145060037 CT/GD Dwaraka Parsad of 97 Bn, 145060037 CT/GD Ram Babu of 97 Bn, 941124754 CT/GD Devidass Kamble of 157 Bn, 055000588 CT/GD Bharat Bareth of 157 Bn , 045215361 CT/GD Bhoor Singh Meena** and Md Rafiq (Civilian Driver). All injured personnel evacuated to 92 Base Hospital. Later **No. 920180405 HC/GD Basappa Bajantri of 97 Bn** attained martyrdom.



Shaheed Head Constable Basappa Bajantri, 97 Bn 01.08.1967 to 03.04.2017

Retirement



Sh. Rajnesh Kumar, Asstt. Comdt. (Min.) Superannuated on 31st March, 2017



Sub Inspector Harpal Singh Superannuated on 31st March, 2017



Sh. P.V. Mathew, Asstt. Comdt.(PS), Superannuated on 30th April, 2017



Sh. M.L. Sharma, Asstt. Comdt. (Min.), Superannuated on 30th April, 2017



Inspector Mahendra Singh Superannuated on 30th April, 2017



Inspector Pramod Kumar Superannuated on 30th April, 2017

DG Disc & Commendation Letters Awardees

(March - April 2017)

S.No.	IRLA/Force No.	Rank	Name	Posting	Remarks
1	3135	DIG	Rajeev Kumar Thakur	Dte Genl	Golden (Adm)
2	2678	DIG	K.M. Yadav	Dte Genl	Golden (Adm) 1 star
3	4257	Comdt	O.N. Singh	Dte Genl	Bronze (Adm)
4	5474	2I/C	Manish Bamola	Dte Genl/96 Bn	Golden (Adm)
5	5668	2I/C	Aditya Mishra	Dte/226 Bn	Golden (Adm)
6	5649	2I/C	Sumit Kumar	Dte/139 Bn	Golden (Adm)
7	6348	DC	Abhiram Pankaj	Dte	Golden (Adm) 1 star
8	6687	DC	Randhir Kumar Jha	Dte/214 Bn	Bronze (Adm)
9	6632	DC	Sanjeev Singh	Dte/IG SNR	Golden (Adm) 1 star
10	6623	DC	Rajeev Tiwari	Dte	Silver (Adm)
11	7169	DC	Praveen Kumar Tripathy	Dte/35 Bn	Silver (Adm)
12	7578	DC	Ashish Ranjan	Dte	Golden (Adm)
13	10561	AC/M	Rajendra Singh Rawat	Dte	Golden (Adm)
14	9271	AC/M	O.P. Yadav	Dte	Bronze (Adm)
15	090280013	ASI/M	Sunni Dutta	Dte	Bronze (Adm)
16	3543	Comdt	Subhash Chander	GC-GGM	Silver (Adm)
17	7072	DC	Mrityunjay Kumar Jha	GC-GGM	Silver (Adm)
18	8163	SMO	Dr. Rahul Jain	GC-GGM	Bronze (Adm)
19	8939	AC	Sita Ram	GC-GGM	Bronze (Adm)
20	035180863	CT/GD	Arvind Singh	GC-GGM	Bronze (Adm)
21	075072273	CT/GD	Shamim Akhtar	GC-GGM	Bronze (Adm)
22	2775	DIG	Gurshakti Singh Sodhi	Dte Genl	Bronze (Adm)
23	2781	DIG	Shashikant Upadhyay	Dte Genl	Golden (Adm) 2 stars
24	2841	DIG	Vimal Kumar Bisht	Dte Genl	Golden (Adm)
25	095042084	Insp/GD	Mohan Singh Bisht	Dte Genl	Golden (Adm)
26	941570013	SI/M	Jai Kumar	Dte Genl	Golden (Adm)
27	067360013	SI/Steno	Arjun Singh	Dte Genl	Golden (Adm)
28	001370158	CT/GD	Rajender Kumar	Dte Genl	Golden (Adm)
29	031493169	CT/GD	Mukesh Singh	Dte Genl	Golden (Adm)
30	045267184	CT/GD	Sonu Kumar	Dte Genl	Golden (Adm)
31	045201742	CT/GD	Madan Singh Shakhawat	Dte Genl	Golden (Adm)
32	045269837	CT/GD	Ankur Yadav	Dte Genl	Bronze (Adm)
33	031468273	CT/GD	Shri Ram Meena	Dte Genl	Bronze (Adm)
34	041570708	CT/GD	Sanjeet Singh	Dte Genl	Bronze (Adm)
35	065260378	CT/GD	Dinesh Chander bisht	53 Bn	Bronze (Adm)
36	911241477	HC/GD	Rajbir Singh	Dte Genl	Bronze (Adm)

37	941193667	HC/GD	T.C. Biju	122 Bn	Bronze (Adm)
38	117410019	CT/ Peon	Surender Kumar Khyalia	Dte Genl	Bronze (Adm)
39	025030196	CT/GD	V. Mohan	Dte Genl	Golden (Adm)
40	881190879	HC/Tlr	H.A. Rizvi	Dte Genl	Silver (Adm)
41	941170425	HC/GD	Naushad Ahmed	122 Bn	Golden (Adm)
42	913134082	HC/GD	G. Saji	GC-Delhi	Silver (Adm)
43	015235115	CT/GD	Surjeet Kumar	Dte Genl	Bronze (Adm)
44	881291586	HC/Tlr	Kamal Kishore	GC-RPR	Bronze (Adm)
45	2652	DIG	Bhanu Pratap Singh	GC-GGN	Golden (Adm)
46	4449	Comdt	Rajesh Kumar	180 Bn	Golden (Ops) 1 star
47	6255	DC	Sanjay Kumar	180 Bn	Silver (Ops)
48	9623	AC	Rajendra Nath Mallick	180 Bn	Silver (Ops)
49	943290757	HC/GD	Kamal Singh	180 Bn	Bronze (Ops)
50	045020997	HC/RO	Hari Ram Yadav	180 Bn	Bronze (Ops)
51	055079881	CT/GD	Ashwani Kumar	180 Bn	Silver (Ops)
52	135323321	CT/GD	Jonny Toppo	180 Bn	Bronze (Ops)
53	01500562	CT/GD	Manohar Lal Meena	180 Bn	Bronze (Ops)
54	115204514	CT/GD	Ranjan Kumar	180 Bn	Bronze (Ops)
55	991440183	HC/GD	Mahender Singh	180 Bn	Bronze (Ops)
56	115204541	CT/GD	Ajay Kumar	180 Bn	Bronze (Ops)
57	110048562	CT/GD	Sanjiv Kumar	180 Bn	Bronze (Ops)
58	075053296	HC/RO	Vidhya Sagar	180 Bn	Bronze (Ops)
59	135233233	CT/GD	Gurtinder Singh	180 Bn	Bronze (Ops)
60	055124705	CT/GD	B. Sailesh Kumar	180 Bn	Bronze (Ops)
61	996974	SI(SOG)	Sanjeev Dev Singh	JKP	Bronze (Ops)
62	1145	SOG	Gulzar Ahmed	JKP	Bronze (Ops)
63	445	SOG	Manzoor Ahmed Mir	JKP	Bronze (Ops)
64	4182	Comdt	H.S. Ghuman	34 Bn	Golden (Ops)
65	5467	2I/C	Sanjay Negi	34 Bn	Bronze (Ops)
66	9755	AC	Jogesh Kumar	34 Bn	Bronze (Ops)
67	6343	DC	Niranjan Singh	Dte Genl (GC/AVD)	Bronze (Adm)
68	7580	DC	T.P. Singh	Dte Genl	Bronze (Adm)
69	7107	DC	Vivek Kumar Singh	Dte Genl/215 Bn	Bronze (Adm)
70	6319	DC	Indranil Dutta	Dte Genl/94 Bn	Bronze (Adm)
71	8347	AC	Rahul Mathur	Dte Genl/170 Bn	Golden (Adm) 1 star
72	8142	AC	Heiyihung Nsarngbe	Dte Genl/74 Bn	Bronze (Adm)
73	8105	AC	Vikash Srivastava	Dte Genl/ 196 Bn	Silver (Adm)
74	095058089	Insp	Virender Mathur	Dte Genl	Bronze (Adm)
75	931870077	Insp/Steno	Devendra Singh Thakur	Dte Genl	Silver (Adm)

76	881530339	Insp/M	Prasanna Kumar	Dte Genl	Bronze (Adm)
77	901570282	Insp/M	Naresh Kumar	Dte Genl	Bronze (Adm)
78	037220064	SI/M	Surender Mohan	Dte Genl/ GC-SPT	Bronze (Adm)
79	051200102	SI/GD	Vipin Jha	Dte Genl/ 102 RAF	Bronze (Adm)
80	045160281	SI/GD	Baljeet Singh	Dte Genl	Bronze (Adm)
81	971550099	SI/M	Pawan Kumar Purbey	Dte Genl/ GC-SPT	Bronze (Adm)
82	007020023	ASI/M	Jitendra Singh Sagar	Dte Genl	Silver (Adm)
83	065060299	ASI/M	Dushyant Vikram Singh	Dte Genl/141 Bn	Bronze (Adm)
84	065071915	ASI/M	Naresh Kumar	Dte Genl	Bronze (Adm)
85	850807939	LNK/GD	Sohan Singh	Dte Genl/ GC-HNR	Bronze (Adm)
86	035030296	CT/Bug	Satheesh E.	Dte Genl/ 18 Bn	Bronze (Adm)
87	981340498	CT/Dvr	Ashok Kumar	Dte Genl/124 Bn	Bronze (Adm)
88	951860031	Insp/PA	P. Ravindran	Dte Genl	Golden (Adm)
89	941131572	HC/GD	Narasimhalu	99 RAF	Bronze (Adm)
90	041540301	CT/WC	A. Rangaswamy	42 Bn	Bronze (Adm)
91	015081625	CT/Cook	Manoj	88(M) Bn	Bronze (Adm)
92	931122134	HC/GD	A. Sreenivasa Reddy	GC-HYD	Bronze (Adm)
93	912010059	CT/Cook	Chakrapani	CTC-CBE	Bronze (Adm)
94	015083361	CT/WM	Rahul	54 Bn	Bronze (Adm)
95	970200041	CT/SK	Vijay Kumar	RTC-SNR	Bronze (Adm)
96	913108304	CT/Cook	V. Jaya Kumar	CTC-CBE	Bronze (Adm)
97	931273142	HC/GD	Jalal Sheikh	58 Bn	Bronze (Adm)
98	991400092	CT/Dvr	Raj Kumar	7 Bn	Bronze (Adm)
99	981170888	HC/Dvr	Rachpal singh	84 Bn	Bronze (Adm)
100	830751555	CT/BB	Ram Avtar	103 RAF	Bronze (Adm)
101	031451324	CT/GD	Jitender Singh	39 Bn	Bronze (Adm)
102	4470	Comdt	Puneet Kumar Kauldhar	130 Bn	Golden (Ops) 3 stars
103		SSP	Zahid Mallick, KPS	SSP Awantipora	Bronze (Ops)
104	9383	AC	Suresh Kumar	130 Bn	Bronze (Ops)
105	125301779	CT/GD	Irfan Khan	130 Bn	Bronze (Ops)
106	105041694	CT/GD	Jagdish Kumar Giri	130 Bn	Bronze (Ops)
107	EXK 109165	SI	Madasar Naseer	J&K Police	Bronze (Ops)
108	7384	D/C	Chetan Choudhary	130 Bn	Silver (Ops)
109	7746	A/C	Shri Rajesh Kumar R	130 Bn	Silver (Ops)
110	820020047	Insp/GD	Mathur Bhai	130 Bn	Bronze (Ops)
111		A/C	Shri Rajendra Nath Malik	180 Bn	Bronze (Ops)
112	841321306	SI/GD	Naseer Ahmed	18 Bn	Bronze (Ops)
113	115027392	CT/GD	Kanhaiya Lal Yadav	163 Bn	Bronze (Ops)
114	85341355	CT/GD	Gulam Hasan	185 Bn	Bronze (Ops)

115	41551595	CT/GD	Hemant Zamba	90 Bn	Bronze (Ops)
116	5003	2-IC	Sunit Varshney	98 Bn	Golden (Ops) 1 star
117	7460	DC	Sh. Satyaveer Singh	98 Bn	Bronze (Ops)
118	911323117	SI/GD	Subramaniya G	98 Bn	Bronze (Ops)
119	973363012	HC/GD	Qadir Ahmad	98 Bn	Bronze (Ops)
120	145042832	CT/GD	Sukanta Goldar	98 Bn	Bronze (Ops)
121	145042886	CT/GD	Sandeep Devanath	98 Bn	Bronze (Ops)
122	145131727	CT/GD	K. Hang Singh	98 Bn	Bronze (Ops)
123	115160213	CT/GD	Mandhir Singh	98 Bn	Bronze (Ops)
124	15220526	CT/GD	Ramesh Kr. Ojha	98 Bn	Bronze (Ops)
125	105340824	CT/GD	Md. Ashraf	98 Bn	Bronze (Ops)
126	105341946	CT/GD	Munir Ahmad	98 Bn	Bronze (Ops)
127	105344643	CT/GD	Md. Ashraf	98 Bn	Bronze (Ops)
128	-	SSP	Sh. Shamsheer Hussain	JKP	Bronze (Ops)
129	-	SI	Iqbal Ahmed	JKP	Bronze (Ops)
130	8120	AC	Divesh Kumar Mishra	205 CoBRA	Golden (Ops)
131	131490063	SI/GD	Abhay Sharma	205 CoBRA	Bronze (Ops)
132	045230894	HC/GD	Pawan Kumar	205 CoBRA	Silver (Ops)
133	055077076	HC/GD	Chemail Singh	205 CoBRA	Silver (Ops)
134	095312116	CT/GD	Subrata Mandal	205 CoBRA	Bronze (Ops)
135	115315119	CT/GD	Kalipad Barman	205 CoBRA	Bronze (Ops)
136	115071113	CT/GD	Balvinder Kumar	205 CoBRA	Bronze (Ops)
137	125301324	CT/GD	Vinod Kumar Choudhary	205 CoBRA	Bronze (Ops)
138	135211185	CT/GD	Chavan Avinash R.	205 CoBRA	Bronze (Ops)
139	110042776	CT/Int	AnupKumar	205 CoBRA	Bronze (Ops)
140	060040292	CT/Int	Dilip Kumar	205 CoBRA	Golden (Ops) 2 stars
141	145374399	CT/Int	Mahendra Kumar	205 CoBRA	Bronze (Ops)
142	6935	DC	Dilip Malik	205 CoBRA	Golden (Ops) 01 star
143	015011077	Insp	Daulat Khan	205 CoBRA	Bronze (Ops)
144	034041143	HC/RO	Abhay Kumar	205 CoBRA	Bronze (Ops)
145	105122097	SI (Ex-Army)	Rajan Mishra	205 CoBRA	Bronze (Ops)
146	105342221	CT/GD	Samir Ahmad Khan	205 CoBRA	Golden (Ops)
147	055072385	CT/GD	Md. Altaf	205 CoBRA	Bronze (Ops)
148	075062731	CT/GD	Bajrang Lal Yadav	205 CoBRA	Bronze (Ops)
149	085110201	CT/GD	Joginder Kumar	205 CoBRA	Silver (Ops)
150	095321311	CT/GD	Santosh Kumar	205 CoBRA	Silver (Ops)
151	095021478	CT/GD	Anil Kumar	205 CoBRA	Silver (Ops)
152		ASP	Arun Kumar Singh	ASP(Ops) Gaya	Bronze (Ops)



श्री सुदीप लखटकिया, अपर महानिदेशक (मुख्यालय) केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल द्वारा आयोजित ऊर्जा फुटबॉल 19 के सुभारंभ कार्यक्रम में माननीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए



श्रीमती शालू लखटकिया, अध्यक्षा कावा, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती ज्योतसना शर्मा, ध्यान शिक्षक को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई



शौर्य दिवस के अवसर पर माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, गृह सचिव श्री राजीव महर्षि, श्री सुदीप लखटकिया, कार्यकारी महानिदेशक के.रि.पु.बल एवं अन्य गणमान्य अतिथि व अधिकारीगण शहीद कार्मिकों के परिवारों एवं जाँबाज़ों के साथ